दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। रविवार 13 जुलाई-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 204 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच रिपोर्ट

उड़ान भरते ही दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच अचानक हुए बंद

इस भीषण दुर्घटना में 274 लोगों की मौत हुई

अहमदाबाद। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की एएआईबी रिपोर्ट में साजिश या बर्ड हिट के संकेत नहीं मिले। रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान भरते ही दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच अचानक बंद हो गए, जिससे विमान क्रैश हुआ। पायलटों के बीच भ्रम की स्थिति भी रिकॉर्ड हुई। यह हादसा हाल के वर्षों में सबसे घातक माना जा रहा है, जिसमें 274 लोगों की जान गई।

अहमदाबाद से उड़ान भरते ही क्रैश हुए एअर इंडिया फ्लाइट एआई-171 हादसे को लेकर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की पहली रिपोर्ट सामने आ गई है। इस भीषण दुर्घटना में कम से कम 274 लोगों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान के दोनों इंजनों को ईंधन देने वाले स्विच अचानक बंद हो गए और इसके बाद

पायलट्स के बीच भ्रम की स्थिति बनी रही। हालांकि, जांच एजेंसी ने इस दुर्घटना में तोड़फोड़ या किसी पक्षी के टकराने की आशंका से इनकार किया है। एएआईबी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया कि लंदन जा रही इस फ्लाइट ने अधिकतम 180 नॉट्स की रफ्तार हासिल की और तभी दोनों इंजनों के ईंधन कटऑफ स्विच एक-एक सेकंड के अंतराल पर बंद हो गए। इसके बाद विमान ने तेजी से ऊंचाई खोई और अहमदाबाद के मेघाणीनगर इलाके में स्थित बीजे मेडिकल कॉलेज पर गिर गया। हादसे के बाद विमान में सवार 242 यात्रियों और क्रू में से केवल एक व्यक्ति ही जीवित बच पाया। एएआईबी की रिपोर्ट में कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर का भी हवाला दिया गया है।

इसमें एक पायलट दूसरे से पूछता है कि उसने फ्यूल क्यों बंद किया, जिस पर दूसरा जवाब देता है कि उसने ऐसा नहीं किया।

बिहार में बेखौफ बदमाशों का कहर

नालंदा में नर्स के सिर में गोली मारकर हत्या

नालंदा: नालंदा जिले के नूरसराय थाना क्षेत्र के डोईया गांव में बदमाशों ने भूमि विवाद में गोली मार कर एक महिला की हत्या कर दी। मृतका की पहचान स्व सुनील प्रसाद की 60 वर्षीया पत्नी सुशीला देवी के रुप में हुई। जोकि पटना के पीएमसीएच में नर्स पद पर पदस्थापित थीं।

जमीन को लेकर चल रहा था विवाद : सुशीला के बेटे सोनू कुमार ने बताया कि पिछले कुछ समय से साढ़े 4 बीघा भूमि का विवाद गोतिया से चल रहा है। शुक्रवार से ही चचेरे भाई नीलेश कुमार ने ह्यगोली मारनेह्ल की धमकी दिया था। शनिवार सुबह जब मां खेत में धान रोपनी देखने जा रही थी उसी वक्त पूर्व से घात लगाए लोगों ने सिर में गोली मार दी।

मौके से चार कारतूस बरामद : सदर डीएसपी टू संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा सूचना मिली थी कि सड़क किनारे बेहोशी की हालत में एक महिला पड़ी है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस मौके पर पहुंच कर आननझ्झफानन में उसे बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल लाई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें महिला को मृत घोषित कर दिया। घटना स्थल पर फॉरेंसिक टीम ने चार कारतूस बरामद की हैं। भूमि विवाद में चचेरे भाइयों सहित कुछ संदिग्धों के नाम बताया गया है। थानाध्यक्ष रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों के हवाले कर दिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

हाल में ही दो लोगों की हुई थी हत्या : इससे पहले अभी हाल में ही नालंदा ज़िले में दो परिवारों के बच्चों के बीच हुए विवाद के हिंसक रूप ले लेने के बाद दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

दिल्ली : सदर बाजार की बिल्डिंग में लगी भीषण आग

फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। ताजा मामला पुरानी दिल्ली स्थित सदर बाजार इलाके से सामने आया है, जहां सदर बाजार मेन मार्केट के एक बिल्डिंग में भीषण आग लग गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, दुकान के फर्स्ट फ्लोर पर आग लगी है। सूचना पाकर मौके पर फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां पहुंची है। इस हादसे में कितनी हानी हुई है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है और न ही आग लगने के कारणों का पता चला है।

अग्निशमन विभाग की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर 3:49 बजे एक दुकान में भीषण आग लगने की कॉल मिली। आग पर काबू पाने के लिए 15 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग बुझाने का कार्य किया गया। दिल्ली सदर बाजार फेडरेशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगने की आशंका है। दिल्ली सदर बाजार फेडरेशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने बताया; "आग लगने की सूचना हमने दमकल विभाग की टीम को दी। लेकिन फायर विभाग की टीम को काफी मश्क्कत करनी पड़ी।

क्योंकि यहां गलियों में उल्टे सीधे तारें का जंजाल बिछा हुआ है। इसकी वजह से दमकल की गाड़ियां को आने में काफी दिक्कत हुई।

कांवड़ यात्रा की तैयारी में अधिकारियों का अलर्ट मोड

पुलिस कमिश्नर, डीएम, नगर आयुक्त और महंत नारायण गिरी ने किया दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर का निरीक्षण

- मेरठ रोड स्थित कांवड़ कंट्रोल रूम का भी अधिकारियों ने लिया जायजा

- सुरक्षा तैयारियों पर अधिकारियों ने दिए दिशा-निर्देश

- सीपी, एडिशनल सीपी, डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी उतरे कांवड़ मार्गों पर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : सावन मास शुरू हो चुका है। तो कांवड़ यात्रा की तैयारी को लेकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद और प्रशासन के अधिकारियों ने अब सड़क पर उतरकर तैयारी का जायजा लेने के साथ ही व्यवस्थाओं को पूरा करने का निर्देश देना शुरू कर दिया है।

शनिवार को पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड, जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ,एडिशनल सीपी अपराध एवं कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी, डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल, एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद, एसीपी घंटाघर कोतवाली रितेश त्रिपाठी, एसीपी एलआईयू से लेकर घंटाघर कोतवाली प्रभारी अनुराग शर्मा सहित बड़ी संख्या में पुलिस के अधिकारियों ने दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के महंत नारायण गिरी के साथ दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया है।

साथ ही सावन के पहले सोमवार के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का भी अधिकारियों ने अवलोकन करने का काम किया है। इसके साथ ही मेरठ रोड पर बनाए जाने वाले कांवड़ कंट्रोल रूम का भी अधिकारियों ने निरीक्षण किया गया।

5 दिनों तक मुख्य कांवड़ कंट्रोल रूम को सिविल डिफेंस देगा स्पेशल ट्रीटमेंट

प्रशासनिक अधिकारियों को मिलेगी बेहतर सुविधा और इंतजाम

- सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने संभाली कांवड़ यात्रा की कमान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : कांवड़ यात्रा के लिए मेरठ रोड पर बनने वाला मुख्य कांवड़ कंट्रोल रूम शुरू हो गया है लेकिन 18 जुलाई को इसका उद्घाटन होगा और फिर यहां विधिवत अधिकारियों का मूवमेंट रहेगा। प्रत्येक वर्ष मुख्य कांवड़ कंट्रोल रूम को स्थापित करने और इसकी व्यवस्थाओं को बेहतर रूप से संचालित करने में सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल का विशेष योगदान रहता है। तो इस बार भी उन्होंने इसकी कमान संभाल ली है। शनिवार को वह पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के साथ

जहां दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर गए तो मुख्य कांवड़ कंट्रोल रूम मेरइ रोड पर भी वह मौजूद रहे। सिविल डिफेंस की ओर से 18 जुलाई से लेकर 23 जुलाई तक मेरठ रोड स्थित मुख्य कांवड़ कंट्रोल रूम में सहयोग एवं तमाम तरीके सुविधा प्रदान की जाएगी। साथ ही यहां आने वाले पुलिस-प्रशासन और अन्य सरकारी विभाग के अधिकारियों को बेहतर सुविधा एवं इंतजाम भी मुहैया कराए जाएंगे।

दूधेश्वरनाथ मंदिर 16 बीट क्षेत्र में विभाजित, कुल 104 कैमरों की होगी निगरानी

करंट क्राइम : दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर में सावन मास के दौरान बड़ी संख्या में शिव भक्त आते हैं। तो यहां सावन के पहले सोमवार यानी 14 जुलाई को लेकर भी तैयारियां जोरों पर हैं। शनिवार को पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मंदिर का निरीक्षण किया। तो वहीं मंदिर के मुख्य पुजारी एवं महंत नारायण गिरी से श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगमता के लिए व्यवस्थाओं के संबंध में बातचीत भी की गई। इस दौरान डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल ने जानकारी दी है कि दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर परिसर को कुल 16 बीट क्षेत्र में विभाजित कर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाएगा। उन्होंने जानकारी दी है की बड़ी संख्या में निरीक्षक, उप निरीक्षक और महिला व पुरुष सिपाहियों की अलग-अलग चिन्हित स्थान पर ड्यूटी लगाई गई है। तो मंदिर परिसर के अंदर 22 और बाहर 82 कुल मिलाकर 104 सीसीटीवी लगाए जाएंगे, जिनकी मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। इस कंट्रोल रूम में 24 घंटे पुलिसकर्मी सीसीटीवी की निगरानी रखेंगे। वहीं संदिग्ध नजर आने वालों से पूछताछ एवं उनकी तलाशी ली जाएगी। मंदिर के किसी भी गेट से कोई भी व्यक्ति बिना चेकिंग के प्रवेश नहीं कर पाएगा।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सफाई एवं लाइटिंग व्यवस्था का दिया निर्देश

करंट क्राइम : सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को है और दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारी शनिवार को ग्राउंड लेवल पर मेहनत करते हुए नजर आए। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक अपने अधिकारियों और अधीनस्थों के साथ मौके पर रहे। उन्होंने यहां सफाई व्यवस्था, पानी के टैंकर, मोबाइल टॉयलेट और लाइटिंग से लेकर चुनाव एवं दवाई छिड़काव के निर्देश दिए। जिसे रविवार की देर रात तक फाइनल कर दिया जाएगा। वहीं बैरिकेडिंग लगाने का काम भी युद्ध स्तर पर चल रहा है ताकि कोई वाहन या किसी प्रकार का कोई जानवर मंदिर के मुख्य गेट की ओर न सके।

एसीपी और इंस्पेक्टर की निगरानी में होगा जलाभिषेक कार्यक्रम

करंट क्राइम : 14 जुलाई को सावन का पहला सोमवार है। शनिवार को जिस तरीके से जिलाधिकारी दीपक मीणा, पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों ने दूधेश्वर नाथ मंदिर का निरीक्षण किया है। बताया जा रहा है कि पहले सोमवार और शिवरात्रि का जलाभिषेक गजटेड अधिकारियों की तैनाती में होगा।

पुलिस कमिश्नर ने किया मुरादनगर थाने और कांवड़ मार्ग का निरीक्षण

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड द्वारा कांवड़ यात्रा को सुचारू रूप से संचालित करने और श्रद्धालुओं की सेवा और सुरक्षा की दृष्टि से मेरठ रोड मार्ग का भ्रमण किया। इस दौरान पुलिस कमिश्नर द्वारा मार्ग में लगे सीसीटीवी और यात्रा व्यवस्था को लेकर दिशा निर्देश दिए हैं। साथ ही मुरादनगर थाने का निरीक्षण किया गया है। कांवड़ मार्ग पर उचित बेरिकेटिंग कर यातायात नियमों और यात्री एवं स्थानीय नागरिकों को असुविधा ना हो, इसको लेकर भी पुलिस कमिश्नर ने वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है ताकि लोगों को परेशानी ना हो।

डीसीपी ट्रांस हिंडन ने कैमरों का मूवमेंट जांचा

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कांवड़ यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री के दिए गए निदेर्शों का असर देखने को मिल रहा है। शनिवार को जहां पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारी और नगर आयुक्त से लेकर अन्य प्रशासनिक अधिकारी सड़कों पर उतरे तो डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल ने मेरठ रोड पर बनाए गए कांवड़ यात्रा के मुख्य कंट्रोल रूम में लगाए गए अलग-अलग कैमरों के मूवमेंट की जांच की है। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को राउंड द क्लॉक ड्यूटी करने का निर्देश देते हुए कांवड़ मार्ग पर हर गतिविधि को लेकर अलर्ट एवं किसी भी हादसे, दुर्घटना या आपात स्थिति होने की सूचना तत्काल पुलिस मुख्यालय एवं कंट्रोल रूम को देने का निर्देश दिया है। साथ ही पुलिस कंट्रोल रूम की वर्किंग को शुरू कर दिया गया है।

सीसीटीवी कंट्रोल रूम और स्वास्थ्य कैंप हुआ शुरू

करंट क्राइम : मेरठ रोड पर बनाए गए मुख्य कांवड़ कंट्रोल रूम में जहां सीसीटीवी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम शुरू कर दिया गया है। तो वहीं स्वास्थ्य विभाग के ओर से भी यहां चिकित्सा और सहयोगी तैनात कर दिए गए हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में उन्हें मदद के लिए इस्तेमाल किया जा सके।

सिविल डिफेंस के बनते हैं तीन मुख्य कंट्रोल रूम

करंट क्राइम : सिविल डिफेंस गाजियाबाद के चीफ वार्डन ललित जायसवाल की देखरेख में एक नहीं बल्कि तीन-तीन कंट्रोल रूम सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों के द्वारा 24 घंटे संचालित किए जाते हैं। इसमें मेरठ रोड पर लगने वाला मुख्य कांवड़ कंट्रोल रूम, तो वहीं राजनगर एक्सटेंशन और मोहन नगर पर भी सिविल डिफेंस के सहयोग से बड़ी संख्या में कांवड़ शिव भक्तों और आम नागरिकों की सेवा एवं सुविधा के लिए इसे संचालित किया जाता है। यह बीते कई वर्षों से ललित जायसवाल की देखरेख में होता चला रहा है।

अधिकारियों को मिलेगा एयर कंडीशन रूम, तो जलपान की सुविधा होगी भरपूर

करंट क्राइम : मेरठ रोड पर बनने वाला सिविल डिफेंस के सहयोग से संचालित कांवड़ कंट्रोल रूम में जहां अधिकारियों के कक्ष को बनाकर तैयार कर दिया गया है। तो वहीं एयर कंडीशन लगाने से लेकर यहां की सफाई, रंगाई एवं अन्य व्यवस्थाओं को अप टू डेट कर दिया गया है। वहीं सिविल डिफेंस के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार कंट्रोल रूम में आने वाले अधिकारियों, अतिथियों और गणमान्य लोगों के लिए प्रतिदिन चार समय विशेष सात्विक भोजन बनवाया जाएगा।

फलाहार से लेकर पौष्टिक आहार मुहैया कराएगा सिविल डिफेंस

करंट क्राइम : सिविल डिफेंस की ओर से यहां मुख्य कांवड़ कंट्रोल रूम में अधिकारियों अतिथि और गणमान्य लोगों के लिए चार दिनों तक विशेष प्रसाद एवं भंडारे की व्यवस्था रहेगी। जिसमें फलाहार से लेकर स्वादिष्ट पकवान जिसमें हलवा-पूरी, खीर-पूरी, सब्जी-पराठे, पुलाव, रायता, फ्रूट चाट और चाय-कॉफी से लेकर दूध और अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

भीगने के लिए तैयार रहें, अगले हफ्ते जमकर बरसेंगे बदरा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मानसून एक्सप्रेस ने रफ्तार पकड़ ली है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले सप्ताह भी तेज बारिश की संभावना है। जबकि इस सप्ताहंत तक हल्की बारिश के आसार हैं। 13 जुलाई तक तापमान में एक बार फिर से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। उसके बाद 17 जुलाई तक अधिकतम तापमान 32-34 डिग्री के बीच बने रहने की संभावना है।

दिल्ली में जुलाई में अब तक 57 मिमी बारिश दर्ज हो चुकी है। जबकि जुलाई का औसतन 195.8 मिमी का है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली के आसपास मानसून का ट्रफ बना हुआ है। यह वीकेंड तक बना रहेगा जिसके कारण हल्की बारिश होगी। इसके बाद अगले सप्ताह यह दुबारा उत्तर की तरफ बनेगा। इसके कारण अगले सप्ताह दिल्ली और आसपास के इलाकों में रूक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है।

दिल्ली-एनसीआर में मानसून एक्सप्रेस ने पकड़ी रफ्तार

वहीं शुक्रवार को भी सुबह बादल छाए रहे उसके बाद धूप निकल आई। लेकिन कुछ ही देर में मौसम ने करवट ली और कई इलाकों में तेज तो कुछ में हल्की बारिश हुई। शुक्रवार सुबह 8:30 बजे तक 017.1 मिमी और शाम 5:30 बजे तक 001.0 बारिश दर्ज की गई। उसके बाद धूप व बादलों की लुकाछिपी का खेल शाम तक चलता रहा। शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 2.3 डिग्री कम 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बिना पर्ची, बिना खर्ची हो रही भर्ती : पीएम

पीएम मोदी ने 51,000 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. 'बिना पर्ची, बिना खर्ची'।

देश की विकास रफ्तार तेज करेंगे ये युवा- पीएम मोदी : युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ 'सबका साथ, सबका विकास' के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे।

राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ी पहचान- पीएम मदी : इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। उन्होंने कहा कि आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं, और वह है- देश की सेवा। बता दें कि इस दौरान पीएम मोदी ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

रोजगार मेले के आयोजन का लक्ष्य : गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से आयोजित रोजगार मेला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को तेज और पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्त करना है।

इसके तहत अब तक लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार मिल चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इस अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

दिल्ली में बड़ा हादसा, चार मंजिला इमारत ढही, 2 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के सीलमपुर इलाके में दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। यहां अचानक चार मंजिला इमारत भरभराकर ढह गई। मलबे में आठ लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। अभी भी कई लोग मलबे में दबे होने की आशंका है। जिन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल पुलिस, दमकल और एनडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव कार्य में जुटी हैं। स्थानीय लोग मलबा हटाने में मदद कर रहे हैं।

फिलहाल अभी चार लोगों की मौत की बात सामने आई है, पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, एक महिला और एक पुरुष का शव थोड़ी देर पहले मलबे से निकली गई है। पुलिस की ओर से अभी दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। दिल्ली पुलिस, दमकल विभाग एनडीआरएफ, नगर निगम समेत तमाम बचाव दल मौके पर मौजूद है, स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुटी हुई है। इलाका बेहद घनी आबादी और संकरी गलियों वाला होने के कारण रेस्क्यू में कठिनाई हो रही है।

पुलिस के मुताबिक, आज सुबह करीब 7.04 मिनट पर वेलकम के पास एक चार मंजिला इमारत के ढहने की सूचना प्राप्त हुई। ए-ब्लॉक, गली नंबर 5, जनता कॉलोनी में घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस टीम ने पाया कि इमारत की तीन मंजिलें ढह गई थीं। अग्निशमन विभाग और अन्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और बचाव अभियान जारी है। अब तक आठ लोगों को निकाला जा चुका है। सात को जेपीसी अस्पताल और एक को जीटीबी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया।

उत्तर-पूर्वी जिले के एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा ने बताया, ₹हमें सुबह सूचना मिली कि वेलकम इलाके की जनता कॉलोनी की गली नंबर 5 में एक तीन मंजिला इमारत गिर गई है। यह इमारत मतलूफ नाम के व्यक्ति की थी।

इसके सामने वाली इमारत को भी नुकसान पहुंचा है। मलबे में दबे लोगों को निकालने का काम जारी है।

केंद्रीय गृह मंत्री का सीएम विजयन पर हमला, कहा-

भ्रष्ट है एलडीएफ सरकार केरल में खूब हो रहे घोटाले

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरल सरकार और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केरल की एलडीएफ सरकार भ्रष्ट है। राज्य में खूब घोटाले हो रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में केरल में स्थानीय निकाय चुनावों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की शुरूआत करने से पहले यहां भाजपा की नई राज्य समिति कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि केरल में छउ्रफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) और वउ्रफ(यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्ट सरकार का रहा है। छउ्रफने विस्फोटक घोटाला, सहकारी बैंक घोटाला, अककैमरा घोटाला, लाइफ मिशन घोटाला, ढढए किट घोटाला और भारत का सबसे बड़ा सोना तस्करी घोटाला किया।

अमित शाह ने राज्य समिति कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया

उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियां हैं, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर है। केरल में कैडर कल्याण राज्य के विकास से बड़ा है, जबकि भाजपा के लिए कैडर से ऊपर विकसित केरलम है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को अन्य राजनीतिक दलों के सार्वजनिक समारोहों जितना ही बड़ा बना दिया है और यह केरल में भाजपा के भविष्य का प्रतीक है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा के लिए सरकार में मुख्यमंत्री रखने से ज्यादा महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना है कि यहां उसका राज्य कार्यालय विकसित केरलम का केंद्र बने। विकसित भारत' का रास्ता 'विकसित केरलम' से होकर ही जाता है। अब से भाजपा का मूल उद्देश्य विकसित केरलम होगा।

अमित शाह ने कहा कि भारत 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद का जवाब पीएम मोदी और भाजपा के अलावा कोई नहीं दे सकता। हमने उरी हमले का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक से, पुलवामा हमलों का जवाब एयर स्ट्राइक से, ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुस के मारा से दिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने केरल के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा जारी धनराशि से कई गुना ज्यादा धनराशि जारी की है। मैं भाजपा मुख्यालय के माध्यम से इसके बारे में हर विवरण सार्वजनिक रूप से जारी करूंगा।

छांगुर बाबा की 12 करोड़ की आलीशान कोठी मलबे में ढेर

जहां सजती थी छांगुर की महफिल, वहां अब गर्दा और गुबार, देखकर दंग हुआ बाबा

उतरौली। बलरामपुर के उतरौला के मधपुर में जहां कभी छांगुर की महफिल सजती थी। आज वहां गर्दा और गुबार है। मलबे से पूरा परिसर पटा है। मधपुर में कोठी का निर्माण 12 करोड़ से हुआ था, जिसमें दो कोठी और अस्तबल बनाए गए थे। इसमें नीतू के नाम से करीब पांच करोड़ खर्च करके एक कोठी बनाई गई थी। बंजर जमीन पर कोठी होने से ध्वस्त करा दी गई। बाहर तो लोगों को बताता था कि विद्यालय खोलेगा, लेकिन पिलर पर भवन का निर्माण कराकर तहखाना बनाने का कार्य करने वाला था। निर्माण कराने वाले ठेकेदार का दावा है कि एक ही कोठी के निर्माण में कई बार बदलाव कराया गया। इससे लागत बढ़ती गई। स्थानीय लोग भी कहते हैं कि धर्म परिवर्तन कराने के लिए ही कोठी का इस्तेमाल होना था। छांगुर की योजना थी कि जो इन्कार करेगा, उसे तहखाने में भेजा जाएगा।

इनकार नहीं करते थे अधिकारी-कर्मचारी

छांगुर की ठसक ऐसी थी कि सरकारी दफ्तरों में भी उसका दबदबा था। यही कारण रहा कि उतरौला में एक जमीन के दाखिल खारिज पर रोक के बाद भी काम हो गया। एक किशोर से बैनामा कराने के बाद छांगुर के दबाव का ही नतीजा था कि बिना जिलाधिकारी की अनुमति के ही जमीन स्थानांतरित कर दी गई।

एटीएस छांगुर को लेकर स्कार्पियो से घर के पीछे बने गेट से दाखिल हुई। वाहन से उतरते ही छांगुर की नजर कोठी के मलबे पर पड़ी तो वह दंग रह गया। एकटक मलबे को देखता रहा। एटीएस उसे कमरे की ओर लेकर चलने लगी तो उसने आसमान की ओर देखा और दाएं हाथ से दिल को थाम लिया।

बिना कुछ बोले ही भरी आंखों के साथ अपने आवास में दाखिल हो गया। जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को बीते तीन वर्षों में करीब 500 करोड़ रुपये की विदेशी फंडिंग हुई है। इसमें से अभी बस 200 करोड़ की ही पुष्टि हो सकी है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार शेष 300 करोड़ रुपये का लेनदेन नेपाल के माध्यम से हुआ है।

फंडिंग के लिए काठमांडू सहित नेपाल के सीमावर्ती जिलों नवलपरासी, रुपनदेही व बांके में 100 बैंक खाते खुलवाए गए। उन्हीं में धर्म परिवर्तन कराने के लिए पाकिस्तान, दुबई, सऊदी अरब व तुर्किए से पैसे भेजे गए। एजेंट चार से पांच प्रतिशत कमीशन पर नेपाल के बैंक खातों से पैसे निकालकर सीधे छांगुर तक पहुंचा देते थे। इसमें कैश डिपॉजिट मशीन (सीडीएम) की भी मदद ली जाती थी। रायबरेली में पकड़े गए साइबर अपराधियों को भी इसी कड़ी का एक हिस्सा बताया जा रहा है, जिनके तार पाकिस्तान और दुबई से भी जुड़े हैं। इस गिरोह ने करीब 700 करोड़ रुपये का लेनदेन किया है। इन्होंने अयोध्या के साथ ही लखनऊ, बलरामपुर व गोंडा में भी करोड़ों रुपये भेजे हैं।

बलरामपुर से गिरफ्तार जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के चार करीबी पूर्वांचल के जिलों में अवैध धर्मांतरण कराते थे।

बिहार में 100 यूनिट तक बिजली फ्री!

वित्त विभाग ने दी सहमति, नीतीश सरकार कर रही तैयारी

पटना। बिहार में मुफ्त बिजली की सौगात अब लोगों को जल्द मिल सकती है। 100 यूनिट तक बिजली फ्री देने की तैयारी सरकार कर रही है। चुनाव से पहले नीतीश सरकार राज्य के लोगों को अपने बिजली बिल में यह बड़ी राहत प्रदान कर सकती है ।ऊर्जा विभाग की इस योजना का लाभ लोगों को बिजली के घरेलू उपयोग के लिए मिलेगा। इस योजना से शहरी क्षेत्र के लोगों को 700 रुपए से अधिक की बचत हर महीने हो सकती है।

कब लागू होगी यह योजना? : ऊर्जा विभाग ने लोगों को 100 यूनिट तब फ्री बिजली देने की योजना तैयार की है। अगर 100 यूनिट से अधिक बिजली का उपयोग आप करते हैं तो उसका चार्ज देना होगा। ऊर्जा विभाग के इस प्रस्ताव पर वित्त विभाग ने भी सहमति की मुहर लगा दी है। अब इसे कैबिनेट में भेजने की तैयारी है।

कैबिनेट से पास होते ही यह योजना प्रदेश में लागू हो जाएगी।

आपका कितना पैसा बचेगा? : ऊर्जा विभाग के प्रस्ताव पर अगर कैबिनेट की मुहर लग जाती है तो शहरी क्षेत्र के लोगों को भी बड़ी राहत होगी। शहरी क्षेत्र में जो लोग रहते हैं उन्हें हर महीने करीब 750 रुपए की बचत होगी। शहरी इलाकों में बिजली की दर 7.57 रुपए प्रति यूनिट है। जब राज्य सरकार से अनुदान मिलेगा तो लोगों कको 4.52 रुपए प्रति यूनिट की दर से उपभोक्ताओं को देना पड़ सकता है। वहीं ग्रामीण इलाकों में कुटीर ज्योति योजना के तहत आने वाले उपभोक्ताओं को 1.97 रुपए प्रति यूनिट तो बाकि घरेलू बिजली यूजरों को 2.52 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली बिल का भुगतान करना पड़ सकता है।

एनसीआर में ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया पर पटाखों की बिक्री पर रोक, दिल्ली पुलिस ने लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की लिस्टिंग और डिलीवरी तुरंत बंद करें। दिल्ली पुलिस ने पटाखों से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने के लिए ये निर्देश दिए हैं।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने लिखित संदेश में सभी ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों पर प्रतिबंध का पालन करने के लिए कहा है। इन प्लेटफॉर्म्स को पटाखों से जुड़े सभी उत्पादों को हटाने और दिल्ली में रहने वाले ग्राहकों के लिए खरीदारी विकल्प को बंद करने के लिए कहा गया है।

दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई दिल्ली सरकार की ओर से 19 दिसंबर, 2024 के आदेश के माध्यम से जारी निर्देशों और 6 मई, 2025 को सुप्रीम कोर्ट की ओर से एमसी मेहता बनाम भारत संघ और अन्य के मामले में की गई टिप्पणियों के बाद की है।

अपराध शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया, शहर में पटाखों की बिक्री या डिलीवरी को रोकने के लिए स्थान-आधारित प्रतिबंध भी लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, प्लेटफॉर्म्स को एक स्पष्ट सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करनी होगी कि उपयोगकताओं को दिल्ली में पटाखों की बिक्री और डिलीवरी पर प्रतिबंध के बारे में सूचित किया जाए।

पुलिस ने शहर भर के सभी बैंक्वेट हॉल, विवाह स्थलों, होटलों, गेस्टहाउस और समारोह स्थलों को भी परामर्श जारी किया है। विशेष पुलिस आयुक्त श्रीवास्तव ने कहा कि उच्चतम न्यायालय और दिल्ली सरकार द्वारा लगाए गए पूर्ण और बिना शर्त प्रतिबंध को देखते हुए, किसी भी उल्लंघन पर संबंधित कानूनों के तहत आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। रविवार 13 जुलाई -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सदन वाले बहुमत के फैसले पर क्यों नहीं हो पा रहा है सरकार के पार्षदों को भरोसा

हाईकोर्ट के फैसले का हो रहा है इंतजार : अगर बात नहीं बनी तो फिर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल होगी याचिका

गाजियाबाद करंट क्राइम। सरकार वाले जनप्रनिधि और सरकार वाले अधिकारी अपनी अपनी जिम्मेदारी बताते हुए मैदान में हैं। मामला हाउस टैक्स को लेकर है और हाउस टैक्स बढ़ाने वाले अधिकारी इसे राजस्व से जुडा मामला बता रहे हैं। राजस्व के लक्ष्य को प्राप्त करना सरकारी अधिकारी का दायित्व होता है।

वहीं सरकार के वार्ड जनप्रतिनिधि से लेकर लोकसभा वाले जनप्रतिनिधि इस मामले में रूल ऑफ मैजोरिटी की बात कह रहे हैं। उनका कहना है कि हम जनता की बात करेंगे और जनता की आवाज नगर निगम में 100 पार्षद हैं। पार्षदों का बहुमत जिस तरफ होगा हमारा भी समर्थन उसी तरफ होगा। 30 जून को नगर निगम सभागार में हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विरोध में विशेष बैठक आहूत हो चुकी है। इस बैठक में स्वयं सुनीता दयाल ने कर वृद्धि के प्रस्ताव के निरस्त होने की घोषणा की थी। जैसे ही मेयर ने घोषणा की वैसे ही भाजपा वालों ने एक दूसरे को बधाई दी और कमल वालों का कमाल ये भी हुआ कि कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल को भी फूल माला पहनाई।

लेकिन इस बैठक के अगले दिन कहानी में मोड़ आया और वो तब आया जब कर निर्धारण अधिकारी का एक प्रेस नोट आया। प्रेस नोट की भाषा अलग थी और जो अल्फाज जुबान से निकले और जिनकी चर्चा थी उसकी भाषा अलग थी। अब नगर निगम के गलियारों में इस बात को लेकर क्यों चर्चा चल रही है कि सदन की बैठक और सदन के प्रस्ताव को अंतिम सत्य मत मानो। पार्षदों का एक दल ये कह रहा है कि अगर सदन के प्रस्ताव से ही टैक्स का मामला निरस्त हो रहा है तो फिर पहले भी तो प्रस्ताव भी आया था और उस प्रस्ताव में टैक्स के प्रस्ताव को निरस्त किया गया था।

सूत्र बताते हैं कि इस पूरे मामले में अब 29 जुलाई का इंतजार हो रहा है। 29 जुलाई का इंतजार दोनों ही पक्ष कर रहे हैं। क्योंकि 29 जुलाई को इस मामले में हाईकोर्ट का फैसला आना है। हाईकोर्ट में इस मामले में याचिका भी भाजपा के पूर्व पार्षदों द्वारा दाखिल की गई है और सदन में भी मोर्चा भाजपा के मौजूदा पार्षदों ने खोला है। ऐसे में नगर निगम का अधिकारी खेमा भी कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहा है। अगर कोर्ट का फैसला टैक्स बढ़ोत्तरी के पक्ष में आ गया तो फिर निगम के अधिकारी खुल कर मैदान में आयेंगे और सीधे शासन को रिपोर्ट भेजेंगे।

वहीं दूसरी तरफ यह भी बताया जा रहा है कि अगर कोर्ट का फैसला टैक्स बढ़ाये जाने के विरोध में आया तो फिर सीन दूसरा हो जायेगा। पार्षद यहां मोर्चा खोलेंगे और अधिकारी शासन को रिपोर्ट भेजेंगे।

बताया जाता है कि इस मामले में सबसे पहले मोर्चा खोलने वाले पूर्व पार्षद राजेन्द्र त्यागी, हिमांशु मित्तल और अनिल स्वामी ने अभी गेम फिनिश नहीं किया है। वो लगातार इस गेम में बने हुए हैं और ये उन्हीं की देन है कि अब 29 जुलाई का इंतजार हो रहा है। बड़ी बात ये है कि अगर कोर्ट ने इस मामले में आगे की डेट लगा दी तो मामला तब तक के लिए टलेगा। अगर कोर्ट ने फैसला सुनाया तो फिर यहां सुप्रीम कोर्ट की तरफ भी रूख हो सकता है। क्योंकि भाजपा के ही पूर्व पार्षद इस मामले में बिल्कुल भी हार मानने को तैयार नहीं हैं।

कौन से हस्ताक्षर की हो रही है पार्षदों के बीच चर्चा

करंट क्राइम। अधिकारियों ने टैक्स बढ़ाया और इसे नियमों के अनुकूल बताया। पार्षदों ने विरोध जताया और इसे निगम एक्ट के विरूद्ध बताया। पहला प्रस्ताव आया और फिर वृद्धि के विरोध में दूसरा प्रस्ताव आया। पार्षद और खासतौर से भाजपा के पार्षद इस फैसले के विरोध में आर पार की लडाई का ऐलान कर चुके हैं। इस पूरे मामले की सबसे दिलचस्प बात ये है कि जिनकी सरकार है उन्हीं फूल वाले पार्षदों की इस मुद्दे पर सबसे ज्यादा तकरार है। अब चर्चा में टैक्स से जुड़ा वो पर्चा आ गया है जिस पर निगम सदन के एक बड़े नेता ने हस्ताक्षर किये हैं। भाजपा वाले पार्षद ही इस बात की चर्चा कर रहे हैं कि अगर उनकी सहमति नहीं है तो फिर ये बताया जाये कि उन्होंने पहले इतनी खामोशी क्यों धारण की और ये भी पता चले कि आखिर उन्होंने अधिकारियों वाले कौन से पत्र पर अपने हस्ताक्षर किये हैं। भाजपा के पार्षद इस बात को अंदर खाने उठा रहे हैं कि जब ये लैटर शासन के पास जायेगा तो आप लिखकर ले लो कि समर्थन में उनके हस्ताक्षर का मैटर बाहर आयेगा। वो जानते हैं कि ऐसा कुछ हुआ है और वो दावा भी कर रहे हैं लेकिन खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं। पार्षद विरोध पर अड़े हैं और वो यहां तक कह चुके हैं कि उनका क्या है उन्हें तो दोबारा चुनाव नहीं लड़ना है लेकिन हमें तो इन्हीं मौहल्लों में अपनी चुनावी किस्मत आजमानी है। अगर ये प्रस्ताव लागू हुआ और हमारे लाख विरोध के बाद भी बढ़ी हुई दर पर भी टैक्स वसूला गया तो फिर हम वार्ड की जनता के बीच क्या तर्क लेकर जायेंगे। जब चुनाव का मौका आयेगा तो विपक्ष वाले नेता इसी बात को भुनायेंगे।

समरकूल और थर्मोकूल की वार्षिक व्यवसायिक मीट का हुआ आयोजन

कंपनी ने लॉन्च किये अपने दर्जनों प्रोडक्ट्स

गाजियाबाद, करंट क्राइम। इलेक्ट्रिकल्स एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का उत्पादन करने वाली कंपनी समरकूल और थर्मोकूल ने अपनी वार्षिक व्यवसायिक मिटिंग में दर्जनों उत्पादों की लॉन्चिंग वैशाली के सरोवर पोर्टिको होटल में कंपनी के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता एवं डायरेक्टर राजीव गुप्ता के द्वारा की गई।

शुक्रवार को समरकूल, थर्मोकूल के सैकड़ों सैल्स चैनल पार्टनर्स की उपस्थिति में गुप्ता ब्रदर्स के द्वारा गणेश वंदना करते हुए दीप प्रज्ज्वलित करके इस मिटिंग का शुभारंभ किया। व्यवसायिक सेल्स हैड श्रीराम सहगल के द्वारा कंपनी की योजना और स्कीम से सभी चैनल पार्टनर्स को अवगत कराया गया।

इस दौरान संजीव कुमार गुप्ता ने मिटिंग को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे सभी प्रोडक्टस वैल्यू फॉर मनी के साथ साथ बेहतरीन तथा तत्काल आफ्टर सेल्स सर्विस के लिए जाने जाते हैं। ग्रुप के दोनों ब्रांड अब देश के हर कोने में उपभोक्ताओं की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। बहुत जल्द ही हम अपनी बास्केट में कंपनी के दो प्रमुख उत्पादन एयर कंडीशन और रेफ्रिजरेटर को भी शामिल करने के बहुत करीब हैं।

कंपनी ने सेल्स अधिकारियों को प्रतीक चिह्न देकर किया सम्मानित

करंट क्राइम। इसके बाद कंपनी के दर्जनों प्रोडक्ट्स की लांचिंग करते हुए, सभी सेल्स चैनल पार्टनर्स को उनसे अवगत कराया गया। तथा सेल्स में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे सदस्यों को प्रतीक चिह्न भेंट करते हुए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता, डायरेक्टर राजीव गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, आशुतोष गुप्ता, तनुज गुप्ता, तुषार गुप्ता, श्रीराम सहगल, रोहित गोयल, बी पी अग्रवाल, पंकज नोटियाल, अजय माथुर, अभिषेक सहित देश भर से आये अनेक सेल्स पार्टनर्स उपस्थित रहे।

सुल्लामल रामलीला कमेटी ने क्यों बढ़ा दी पार्किंग वाले सलमान के ठेके की मियाद

पूर्व और मौजूदा अध्यक्ष बोले- बढ़ाई है डेट और यह है व्यवस्था से जुड़ी बात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जो रामलीला कमेटी सिर्फ इस बात के लिये ही 300 से ज्यादा मेंबरों द्वारा चुनी गई थी कि वो पुराने सारे चिट्ठों को खोलेंगे और हिसाब को लेकर खुलकर बोलेंगे। उस रामलीला कमेटी के ही किस्से बाहर आने शुरू हो गए हैं। 100 साल पुरानी रामलीला कमेटी के पदाधिकारी यहां पार्किंग के ठेके मामले में सलमान पर मेहरबान बताए जाते हैं। हालांकि पुराने अध्यक्ष और नए अध्यक्ष दोनों ही पार्किंग के ठेके को लेकर इसे सिर्फ अवधि बढ़ाए जाने का मामला मान रहे हैं। बताया जाता है कि घंटाघर रामलीला मैदान में पार्किंग का ठेका फरवरी माह तक दिया गया था। इसी बीच डिप्टी रजिस्ट्रार ने चुनाव की घोषणा की और 26 फरवरी को चुनाव हो गया। इस चुनाव में रामलीला कमेटी के अध्यक्ष वीरो बाबा चुनाव नहीं लड़े और अजय बंसल अध्यक्ष पद पर चुनाव जीते। उन्होंने सुभाष गुप्ता लोहे वालों को हराकर यह चुनाव जीता। जब पार्किंग का ठेका दिया गया था तब वीरो बाबा अध्यक्ष थे और चुनाव के बाद जब अजय बंसल अध्यक्ष बनें तो यह तय था कि नए अध्यक्ष और उनकी कमेटी के द्वारा ही पार्किंग का ठेका आवंटित किया जाएगा। ये ठेका एक मार्च 2025 को दिया जाना था मगर, बताया जाता है कि रातों रात ये पार्किंग सलमान नाम के व्यक्ति को आवंटित कर दी गई। जबकि अजय बंसल को इसकी जानकारी नहीं मिली। बताया जाता है कि अब फिर से सुल्लामल रामलीला कमेटी की पार्किंग का ठेका सलमान को दिया गया है। ठेके के लिये कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई, कोई नीलामी नहीं हुई और ये ठेका रातों-रात गुप्त तरीके से सलमान को दे दिया गया। 30 जून को ये पार्किंग समाप्त हो रही थी और पार्किंग का ठेका सलमान को दे दिया गया। पूरी कमेटी में अब इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि आखिर राम वाली कमेटी सलमान पर क्यों इतनी मेहरबान है। क्या अधिक धन इसका कारण है या कोई और बात है।

लाला और बजरंगी के साथ क्या हो गई पॉलिटिकल चीटिंग

करंट क्राइम। रामलीला कमेटी में हर बार पार्किंग का ठेका सलमान को दिया। बताया जाता है कि सलमान वाली मेहरबानी में कंबल बाजार का सिजरा भी खुलकर सामने आएगा। यहां मामला रामलीला की इंटरनल पॉलिटिक्स से जुड़ा है और सूत्र बताते हैं कि यहां लाला और बजरंगी के साथ पॉलिटिकल चीटिंग वाला सीन हो गया है। वो यहां चाहते थे कि एक धर्म का भी राज हो और धर्म वाले लोगों को रोजगार भी प्राप्त हो। बहरहाल जो भी हुआ वो रामलीला कमेटी बेहतर जानती है, लेकिन पार्किंग की कमान फिलहाल सलमान के पास है।

अभी बढ़ी है सिर्फ डेट और हम खुली बोली पर देंगे ठेका: अजय बंसल

करंट क्राइम। सुल्लामल रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अजय बंसल ने करंट क्राइम से बातचीत में कहा कि पार्किंग का ठेका नहीं दिया गया है बल्कि इसे एक महीने के लिये बढ़ाया गया है। उसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि छह अगस्त को भूमि पूजन है और तब तक के लिये नया ठेका देने का कोई औचित्य नहीं था। उन्होंने कहा कि छह अगस्त को रामलीला कमेटी मैदान पर भूमि पूजन करेगी और उसके बाद जिस ठेकेदार खंडेलवाल को मेले का ठेका दिया गया है, पार्किंग का ठेका भी उन्हीं के पास रहेगा। खंडेलवाल इंदौर के रहने वाले हैं। अजय बंसल ने कहा कि रामलीला महोत्सव समाप्त होने के बाद पूरी पारदर्शी प्रक्रिया के साथ पार्किंग का ठेका आवंटित किया जाएगा। इसके लिये बाकायदा प्रक्रिया का पालन होगा, खुली बोली के जरिये यह ठेका आवंटित होगा। पारदर्शिता के लिये ठेका आवंटन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी।

सिर्फ दो महीने के लिये बढ़ाया गया है ठेका : वीरो बाबा

करंट क्राइम। रामलीला कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और मौजूदा संरक्षक वीरेंद्र कुमार वीरो बाबा ने करंट क्राइम से बातचीत में कहा कि किसी प्रकार का कोई ठेका आवंटित नहीं हुआ है। यह व्यवस्था बनाने के लिये सिर्फ आगे बढ़ाया गया है और इसकी अवधि भी मात्र दो महीने है। उन्होंने कहा कि ठेके की अवधि को बढ़ाया गया है, इसे रेगुलर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन बाद कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है और मैदान में पुलिस के वाहनों के लिये, प्रशासन के वाहनों के लिये पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। बरसात के मौसम में कई बार मैदान में पानी भर जाता है। उन्होंने कहा कि यह केवल व्यवस्था से जुड़ा मामला है ना कि किसी प्रकार की अर्थव्यवस्था का मामला है। अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी आवंटन वाले मामले पर वीरो बाबा ने कहा कि मैंने चुनाव प्रक्रिया में भाग नहीं लिया। मैं अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ा और फिलहाल मैं कमेटी में भी नहीं हूं। इसलिये मेरे द्वारा ठेका देने का कोई सवाल ही नहीं है, लेकिन मैं इस कमेटी का सदस्य हूं और अनुभवी होने के नाते मैं अपना सुझाव अवश्य दे सकता हूं। हमारा प्रयास हमेशा से किसी भी बात को लेकर विवाद पैदा करना नहीं बल्कि किसी भी विवाद का समाधान करना होता है।

दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री वाईपी सिंह ने आयोजित की पत्रकार वार्ता

महामाया स्टेडियम में कराया जा रहा है करोड़ों रुपए का विकास कार्य : वाईपी सिंह

गाजियाबाद, करंट क्राइम। यूपी० स्टेट कांस्ट्रक्शन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन लि. के अध्यक्ष व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री वाईपी सिंह लोक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस में पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने

गाजियाबाद में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि गाजियाबाद स्थित महामाया स्टेडियम में 16.02 करोड रुपए से अधिक के विकास कार्य कराये जाएंगे। इनमें स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रेनिंग ट्रैक व हॉकी मैदान का ट्रैक सहित अन्य विकास कार्य कराये जायेंगे। उक्त कार्य 21 अगस्त 2026 तक पूरे किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होने कहा कि इसके साथ ही नगर निगम गाजियाबाद द्वारा स्टाम्प एवं रिजस्ट्रेशन विभाग से सम्बंधित 4.17 करोड रुपए से निबन्धन कार्यालय का निर्माण कार्य, समाज कल्याण विभाग से सम्बंधित 77.61 लाख रुपए से राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास साहिबाबाद, का मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य, समाज कल्याण विभाग से सम्बंधित 61.71 लाख रुपए से राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास भौपुरा, का मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य, समाज कल्याण विभाग से सम्बंधित 194.31 लाख रुपए से जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय निडोरी गाजियाबाद में मरम्मत (रिनोवेशन) का कार्य, महिला कल्याण विभाग से सम्बंधित 60 लाख रुपए से मोदीनगर तहसील में वन स्टॉप सेन्टर भवन कार्य करवाया जा रहा है। प्रेसवार्ता के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेताओं सहित पी0के0श्रीवास्तव अधीक्षण अभियंता, महेन्द्र सिंह अधिशासी अभियंता व अन्य गणमान्य रहे।

मोदी-योगी के शीर्ष नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का चहुंमुखी विकास हुआ : अध्यक्ष यूपीसिडको

करंट क्राइम। यूपीसिडको अध्यक्ष वीपी सिंह ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि इस समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अपराध पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत देश में उत्तर प्रदेश नंबर वन है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश पिछले 8 साल में महाराष्ट्र के बाद देश में दूसरे नंबर का बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर वाला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि जब से योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभाली है तब से मंदिरों का नवीनीकरण होना शुरू हुआ है। इनमें मुख्य अयोध्या में राम मंदिर, वाराणसी में काशीनाथ विश्व मंदिर, बागपत में पुरातन महादेव मंदिर का सुदृढ़ीकरण/जीर्णोद्धार/नवीनीकरण कराया जा रहा है। कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पुरानी सनातन संस्कृति को धरोहर को संभाल कर रखने सहित सुरक्षित करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी-योगी के शीर्ष नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास के हर क्षेत्र में बुलन्दियों को छूआ है जिसमें रेल, मेट्रो, रेपिड, एयरपोर्ट, ट्रांसपोर्ट, अर्थव्यवस्था, सड़कों का विस्तार व चौड़ीकरण, अपराध मुक्ति, विकास के क्षेत्र में मंदिरों, पर्यटनस्थलों सहित अन्य का नवीनीकरण सहित अन्य क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश का चहुंमुखी विकास कराया है।

जूस की दुकान को लेकर हंगामा

विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने डीसीपी से की शिकायत

विजयनगर थानाक्षेत्र का मामला दो आरोपी हिरासत में, जांच शुरू

गाजियाबाद, करंट क्राइम : कांवड़ यात्रा शुरू होते ही लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर एक के बाद एक मामले को लेकर आक्रामक हो गए हैं। बीते दिनों जहां उन्होंने लोनी इलाके में मांस की दुकान खुली होने का विरोध किया। तो विजयनगर थानाक्षेत्र में गौड सिद्धार्थम सोसाइटी में एक जूस विक्रेता पर व्रतधारियों के साथ गलत हरकत और अपना धर्म छुपा कर जूस कॉर्नर चलाने का आरोप लगाया है। इसको लेकर शुक्रवार को भी हंगामा हुआ था। इस मामले को लेकर लोनी विधायक ने पहले वीडियो जारी की और फिर डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल से मुलाकात की है। फिलहाल इस मामले में एसीपी घंटाघर कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने कहा है कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर दिए गए हैं। फिलहाल इस मामले में दो आरोपी हिरासत में है पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।

डीसीपी से हुई मुलाकात, फिर एसीपी ने लिया एक्शन

करंट क्राइम : विजय नगर की जिस जूस की दुकान पर थूक मिलाकर जूस देने का आरोप है वहां पहले हिंदूवादी युवकों ने इस मामले की शिकायत की। तो पुलिस और थाना प्रभारी ने मामला गंभीरता से नहीं लिया। फिर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने डीसीपी सिटी धवल जयसवाल से मुलाकात की और इसके बाद एसीपी रितेश त्रिपाठी कार्रवाई वाले मोड़ पर आए।

पुलिस वर्किंग पर फिर उठाए विधायक ने सवाल

करंट क्राइम : जूस कांड को लेकर विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने विजयनगर थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने जूस कॉर्नर वाले का पक्ष लेने का पुलिस पर आरोप लगाया है। तो वही यह भी कहा है कि मुस्लिम व्यक्ति भारत नाम से यह जूस कॉर्नर चल रहा था, उनके यहां काम करने वाले लड़कों ने हाथ में कलावा बांध रखा था और अपना नाम हिंदू बात कर जूस बेचा करते थे।

संपादकीय

अतिरिक्त नकदी का प्रबंधन

भारतीय बैंकिंग व्यवस्था में नकदी की स्थिति विगत कुछ तिमाहियों में तेजी से बदली है। वर्ष 2024 के अंत में जहां बैंकिंग व्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपये की कमी थी वहीं अब 3 लाख करोड़ रुपये प्रति दिन के अधिशेष की स्थिति में है और यह राशि कुछ दिनों में बढ़कर 4 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। कई बार केंद्रीय बैंक व्यवस्था को जानबूझकर कमी या अधिशेष की स्थिति में रखते हैं ताकि मौद्रिक नीति संबंधी लक्ष्यों को हासिल किया जा सके, परंतु किसी भी तरह की अति के अनचाहे परिणाम सामने आ सकते हैं। उदाहरण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को हाल की तिमाहियों में नकदी की कमी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। इसकी एक वजह रुपये के समर्थन के लिए मुद्रा बाजार में उसके द्वारा किया गया हस्तक्षेप भी रही। इससे बाजार में ब्याज दरें बढ़ीं। बहरहाल, रुपये पर दबाव कम होने पर हालात बदले और मुद्रास्फीति संबंधी हालात अनुकूल हो गए।

जैसा कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा के 6 जून की मौद्रिक नीति के बाद के वक्तव्य में कहा गया, केंद्रीय बैंक ने जनवरी से 9.5 लाख करोड़ रुपये की टिकाऊ नकदी व्यवस्था में डाली। केंद्रीय बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी 100 आधार अंकों की कमी करने का भी निर्णय लिया जिसे चार टुकड़ों में लागू किया जा रहा है। इससे व्यवस्था में 2.5 लाख करोड़ रुपये मूल्य की टिकाऊ नकदी आएगी। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री मानते हैं कि व्यवस्था में अतिरिक्त नकदी इस वर्ष 5 लाख करोड़ रुपये तक जा सकती है। नकदी की कमी से मुद्रा बाजार की दरें बढ़ती हैं और आम तौर पर ऋण दरों में भी इजाफा होता है। ऐसे में अधिशेष नकदी का विपरीत प्रभाव होता है। व्यवस्था में अतिरिक्त नकदी से मुद्रास्फीति संबंधी जोखिम बढ़ते हैं। हालांकि निकट भविष्य में भारत मुद्रास्फीति के मोर्चे पर सहज स्थिति में है लेकिन अतिरिक्त नकदी परिसंपत्ति मूल्य मुद्रास्फीति में इजाफा कर सकती है। उदाहरण के लिए बैंकों ने अन्य दरों के साथ बचत जमा दरों में कटौती की है जिससे बचतकर्ता अपने फंड बेहतर यील्ड वाली परिसंपत्तियों में लगा सकते हैं।

अतिरिक्त नकदी बैंकिंग व्यवस्था को कम दरों पर ऋण देने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। जैसा कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित एक रिपोर्ट दिखाती है, कई बाजार प्रतिभागी उस समय चकित रह गए जब एक सरकारी उपक्रम को केवल 6.1 फीसदी की दर पर 1,000 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया। यह लगभग फंड की लागत के ही बराबर है। फंड की सहज उपलब्धता कुछ बैंकों को ऐसी संस्थाओं को ऋण देने को प्रेरित कर सकती है जो अयोग्य हों। बहरहाल, यह ध्यान देने लायक है कि कम नीतिगत दर या अतिरिक्त नकदी शायद बैंक ऋण को बढ़ावा न दे और उसकी कई वजह हो सकती हैं।

विश्व स्तर पर अहम निश्चितता व्याप्त है जो निजी क्षेत्र के निवेश निर्णयों पर असर डालेगी। इतना ही नहीं कंपनियां पूंजी बाजार से और अधिक फंड जुटा रही हैं। जैसा कि रिजर्व बैंक की ताजा वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट दिखाती है, पूंजी बाजार से जुटाए जाने वाले संसाधन 2024-25 में 32.9 फीसदी बढ़े हैं और डेट के क्षेत्र में इनमें 60 फीसदी का इजाफा हुआ। इस वर्ष सर्वाधिक कॉर्पोरेट बॉन्ड जारी किए गए जिनका मूल्य 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। डेट बाजार में गहराई बढ़ने के साथ ही उच्च दर वाले निगमों को डेट बाजार से फंड जुटाना अधिक आसान लगेगा बजाय कि बैंकिंग व्यवस्था के। ऐसे में प्रतिस्पर्धा बैंकिंग व्यवस्था में शुद्ध ब्याज मार्जिन पर असर डालेगी।

नकदी प्रबंधन के संदर्भ में जहां रिजर्व बैंक परिवर्तनीय दर रिवर्स रीपो वहीं वेटेड औसत कॉल दर भी नीतिगत दर से काफी नीचे है। रिजर्व बैंक अपने हालिया नीतिगत फैसलों के प्रसार को सक्षम बनाने के लिए कुछसमय तक चीजों को इसी प्रकार बनाए रखने का इरादा रख सकता है। यद्यपि उसे प्रणाली में अतिरिक्त नकदी के प्रबंधन के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे। खासकर जब सीआरआर में कमी के कारण और अधिक नकदी जारी होने की उम्मीद है। उसे बाजार को यह भी बताना चाहिए कि वह अतिरिक्त नकदी को किस स्तर पर बनाए रखना चाहता है।

देश में उपभोक्ता आधारित क्षेत्रों का विकास मिला-जुला रहने का अनुमान

नई दिल्ली। भारत का उपभोक्ता विवेकाधीन क्षेत्र में मिलेजुले संकेत रहने की संभावना है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार इस क्षेत्र में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों कारकों के संयोजन के कारण वार्षिक आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो सकती है।

क्या है उपभोक्ता विवेकाधीन क्षेत्र ? : कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी उन वस्तुओं और सेवाओं से जुड़ा होता है जो जीवन के लिए अनिवार्य नहीं होतीं, लेकिन आय बढ़ने पर लोग इनकी इच्छा रखते हैं।

नए युग के व्यवसाय में मजबूत वृद्धि की संभावना : रिपोर्ट में कहा गया कि नए युग के व्यवसाय इस सेक्टर को मजबूती देंगे। यह 49 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ सकता है। वहीं, पेंट कंपनियों की धीमी वृद्धि दर इस क्षेत्र पर दबाव बना सकती है।

इन क्षेत्रों में होगी इतनी वृद्धि : इसके अलावा रिपोर्ट में आभूषण में लगभग 20 प्रतिशत, फूड एंड ग्रॉसरी में 16 प्रतिशत, परिधान में 16 प्रतिशत और फुटवियर में 7 प्रतिशत क्षेत्रों में होगी वृद्धि का अनुमान है। विभिन्न श्रेणियों में समान-स्टोर बिक्री वृद्धि (एसएसएसजी) के पहली तिमाही के प्रदर्शन में उल्लेखनीय अंतर देखने को मिलेगा। विशेष रूप से आभूषण क्षेत्र में मजबूत ग्रोथ की उम्मीद है, जबकि ऑफलाइन फूड एंड ग्रॉसरी और वैल्यू रिटेलिंग परिधान में स्थिर वृद्धि की संभावना है। दूसरी ओर, फुटवियर खंड, पेंट कंपनियों और नए युग के व्यवसायों के एसएसएसजी में पहली तिमाही में मांग का दबाव देखने को मिल सकता है।

मार्जिन और ब्रैंड वैल्यूएशन पर असर : एचडीएफसी सिक्योरिटीज का कहना है कि हमारे विवेकाधीन क्षेत्र के मार्जिन में 80 आधार अंकों की गिरावट के साथ 9.6 प्रतिशत तक की गिरावट आने की उम्मीद है।

रिलिगेयर की फंडिंग योजना को मिली मंजूरी

बर्मन परिवार करेगा 750 करोड़ रुपये का निवेश

नईदिल्ली। रिलिगेयर एंटरप्राइजेज बोर्ड ने कंपनी को 1,500 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह राशि वॉरेंट्स के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए जुटाई जाएगी। इसका उद्देश्य कंपनी के कारोबार विस्तार और रणनीतिक पहलों को गति देना है।

रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईएल) एक वित्तीय सेवा कंपनी है जो भारत में कई तरह की सेवाएं प्रदान करती है। यह मुख्य रूप से लघु और मध्यम उद्यमों (रटए) को ऋण, किफायती आवास वित्त, स्वास्थ्य बीमा, और खुदरा ब्रोकिंग जैसी सेवाएं देती है।

बर्मन परिवार करेगा 750 करोड़ का निवेश : इस राशि में डाबर के मालिक बर्मन परिवार की कंपनियां 750 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी, जो कुल राशि का 50 प्रतिशत है। जबकि शेष राशि हिंदुस्तान टाइम्स लिमिटेड, निवेशक आशीष धवन, जेएम फाइनेंशियल क्रेडिट सॉल्यूशंस

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 1.34% घट कर 5.63 लाख करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में 10 जुलाई तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 1.34 प्रतिशत घटकर लगभग 5.63 लाख करोड़ रुपये रह गया। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि हुई। इस दौरान शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 3.67 प्रतिशत घटकर लगभग 2 लाख करोड़ रुपये रह गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 2.07 लाख करोड़ रुपये था। गैर-कॉर्पोरेट कर (जिसमें व्यक्ति, एचयूएफ और फर्म शामिल हैं) संग्रह 1 अप्रैल से 10 जून, 2025 के बीच 3.45 लाख करोड़ रुपये पर स्थिर रहा। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 10 जुलाई तक 17,874 करोड़ रुपये था।

कुल शुद्ध संग्रह 5.63 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 5.70 लाख करोड़ रुपये से 1.34 प्रतिशत कम है। इस वित्त वर्ष में अब तक जारी किए गए शुद्ध रिफंड 38 प्रतिशत बढ़कर 1.02 लाख करोड़ रुपये हो गए। 1 अप्रैल से 10 जुलाई तक सकल संग्रह (रिफंड से पहले) 6.65 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 6.44 लाख करोड़ रुपये से 3.17 प्रतिशत अधिक है।

सकल कॉर्पोरेट कर संग्रह 9.42 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.90 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि सकल गैर-कॉर्पोरेट कर संग्रह 1.28 प्रतिशत घटकर 3.57 लाख करोड़ रुपये रह गया। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी की पार्टनर गौरी पुरी ने कहा कि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में गिरावट मुख्य रूप से संसाधित कर रिफंड की मात्रा में वृद्धि के कारण है। पुरी ने कहा, ₹यह करदाता सेवाओं में सुधार पर सरकार के फोकस को दशार्ता है, क्योंकि समय पर और कुशल रिफंड प्रसंस्करण व्यापार को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर समीर कनाबर ने कहा कि हालांकि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में गिरावट मुख्य रूप से इस वर्ष जारी किए गए रिफंड में वृद्धि के कारण है, लेकिन प्रत्यक्ष करों में समग्र गिरावट को दो प्रमुख कारकों द्वारा समझाया जा सकता है।

व्यक्तिगत कर के मोर्चे पर, संशोधित स्लैब संरचना करदाताओं के एक बड़े आधार को राहत प्रदान करती रहेगी, जिसके परिणामस्वरूप कर देयता कम हो जाएगी। कॉर्पोरेट पक्ष में, उच्च पूंजीगत व्यय के कारण मूल्यह्रास दावों में वृद्धि हुई है।

राशिफल

मेष : आज का दिन काफी विवादास्पद साबित हो सकता है। आपको अपने वरिष्ठों की उपेक्षा का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जीवन और स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृष : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहेगा। शाम तक कोई शुभ समाचार मिलेगा। घर में खुशियों का माहौल रहेगा। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन : आज आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। भवन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकता है। परिवार के साथ समय व्यतीत करेंगे। वाहन चलाते समय सावधान रहें।

कर्क : ऑफिस में आप कुछ लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। आप नौकरी बदलने या अतिरिक्त आय के लिए भी विचार कर सकते हैं। आप भाग्यशाली हो सकते हैं।

सिंह : नौकरी या काम से जुड़े कई नए विकल्प आपको मिल सकते हैं। हालाँकि, आपको जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचना चाहिए। काबिलियत दिखाने का सही समय है।

कन्या : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। व्यापारिक यात्राओं से लाभ होगा। व्यापार में अधिक लाभ के लिए आपको किसी का सहयोग मिलेगा।

तुला : आज आप रचनात्मक क्षेत्र में रचनात्मकता का परिचय देंगे। फिर भी आपका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। जलाशय से दूर रहना ही बेहतर है।

वृश्चिक : व्यापार में लाभ के योग हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए समय सही है। रुके हुए काम पूरे होंगे। पुरानी समस्याएं सुलझ सकती हैं। शत्रुओं पर विजय मिलने के योग हैं।

धनु : नए संपर्क और संचार व्यवसाय को नई दिशा प्रदान कर सकते हैं। आप अपने लक्ष्यों को वास्तविक जिम्मेदारियों के आलोक में स्वीकार कर परिभाषित करेंगे।

मकर : आज आपका दिन ठीक रहेगा। आपके मन में नए विचार आ सकते हैं। कार्य योजना तैयार कर सकते हैं। आपकी आमदनी में वृद्धि हो सकती है।

कुंभ : नए प्रेम-संबंध बनने की संभावनाएं प्रबल हैं लेकिन निजी और गोपनीय जानकारी को प्रकट करने से बचें। मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव रहेगा।

मीन : अचानक लाभ मिलने के योग हैं। अगर आपका पार्टनर भी आपकी मदद करेगा तो धन लाभ हो सकता है। पुराना कर्ज खत्म हो सकता है।

चुटकुले

बाबाजी ने दिया परम सत्य ज्ञान...
जिंदगी की भागदौड़ में सेहत का भी ख्याल रखिए...
ऐसा ना हो कि... आप पीछे रह जाएं...
और पेट आगे निकल जाए...!!!

पापा (गुस्से में) :- एक काम नहीं होता तुमसे, तुमको धनिया का पत्ता लाने को बोला था तो तुम पुदीना ले आये हो। तुमको धनिया और पुदीना में फर्क पता नहीं चलता। तुम जैसे बेवकूफ को घर में रखने से अच्छा है कि तुम घर से निकल जाओ।
बच्चा :-साथ ही चलते हैं घर से..?
पापा :- क्यो?
बच्चा :- क्योकि मम्मी कह रही है कि ये मै थी है।।

टैक्सीवाला - साहब, ब्रेक फेल हो गये है,
गाड़ी रूक ही नहीं रही हैं,
क्या करू?
सवारी - पहले तू मीटर बंद कर दे.!

SPECIAL WISHES

दैनिक करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आज नन्ही परी पीहू का हैप्पी बर्थडे है। उसके जीवन में सबकुछ हमेशा हैप्पी रहे और जीवन की समस्त खुशियां उसे प्राप्त हों। ऐसी स्पेशल विश के साथ उसे दादी अनीता, पापा अविनाश मम्मी दीपिका, बहन त्रिशा, निताक्षी और कृश्वी भाई अरनव ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और आशीर्वाद प्रदान किया।

भारतीय बाजार में एफपीआई का भरोसा इस हफ्ते बरकरार

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस सप्ताह भारतीय बाजरों में शुद्ध खरीदार बने रहे। उन्होंने 7 जुलाई से 11 जुलाई के दौरान कुल 5,260 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने यह जानकारी दी।

मंगलावार को बाजार में डाले 2,771 करोड़ रुपये : आंकड़ों से पता चला है कि एफपीआई सप्ताह के सभी कारोबारी दिनों में शुद्ध खरीदार रहे। यह भारतीय बाजारों के प्रति सकारात्मक निवेशक रुझान का संकेत है। सबसे ज्यादा शुद्ध निवेश मंगलवार को दर्ज किया गया। एफपीआई ने मंगलावार को भारतीय बाजारों में 2,771 करोड़ रुपये डाले।

रोचक तथ्यों का करंट

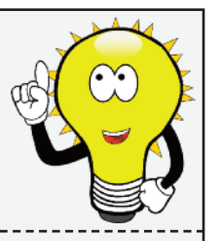

- क्या आप जानते हैं? फलार्थी एक प्रकार का शाकाहारी होता है जिसमें कोई व्यक्ति पौधे को मारने के बिना सिर्फ फलों, नट्स, बीज और अन्य पौधे की सामग्री को खा सकते हैं।
- एक पीसाचारी एक प्रकार का शाकाहारी होता है जो सिर्फ मछली खाता है! यह शब्द साल 1993 में उत्पन्न हुआ, यह शाकाहारी और इतालवी शब्द पेस के शब्द का मिश्रण है!
- क्या आप जानते हैं? सबसे कठोर पनीर भी शाकाहारी नहीं होता है, कुछ पनीर बनाने के लिए आपको एंजाइम चीमोसिन (जिसे राइनिन भी कहा जाता है) की आवश्यकता होती है।
- शाकाहार की जड़ें प्राचीन भारत में है, वास्तव में, वर्तमान में दुनिया के शाकाहारियों में से 70% भारतीय हैं और यहां दुनिया में किसी अन्य देश की तुलना में भारत में अधिक शाकाहारी हैं।
- क्या आप जानते हैं? लैक्टो-शाकाहारी डेयरी उत्पादों की खपत करते हैं लेकिन अंडे नहीं खाते। वहीं, एक ओवो-शाकाहारी अंडे खाता है लेकिन अन्य डेयरी उत्पादों को नहीं खाता है। तथा एक ओवो-लैक्टो शाकाहारी आहार में अंडे और डेयरी उत्पादों दोनों शामिल हैं।

13 07 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सोनल सहगल
अभिनेत्री

पीहू प्रजापति

पीहू दीक्षित

प्रीति चन्द्रा राय

अनुपम शर्मा

विष्णु गुप्ता (करंट क्राइम)

दिनेश गुर्जर

कुलदीप रूहेला

मोहित प्रजापति

ब्रिजेश कुमार मिश्रा

वीरेंद्र सिंह

राजेश चौहान

सनी पंडित

अब्दुल आजिम कुरैशी

आनंद त्यागी

लियाकत मंसूरी

मुकेश जौहरी

आदिल सैफी

मनोज त्यागी

संदीप त्यागी

सुनील शर्मा

सनी ठाकुर

मोनू राघव

राकेश वर्मा

प्रवीण नागर

नरेंद्र सिंह

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण पदक

प्रीति पाल भी शीर्ष पर रहीं

नई दिल्ली। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने शुक्रवार को सातवीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और पुरुषों की भाला फेंक (एफ12 एवं एफ64) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। यह चैंपियनशिप काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस टूर्नामेंट के प्रदर्शन से इस साल के आखिर में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल का चयन निर्भर करेगा।

हरियाणा के अंतिल ने 72.25 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके राज्य के मंजीत ने 54.56 मीटर के शानदार प्रयास के साथ रजत पदक जीता, जबकि एसएससीबी (सेना खेल संवर्धन बोर्ड) के प्रदीप कुमार ने 45.17 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। हरियाणा का स्वर्णिम प्रदर्शन एफ40 एवं एफ41 भाला फेंक वर्ग में भी जारी रहा।

पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नवदीप सिंह ने 42.63 मीटर भाला फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया। प्रिंस ने 31.90 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता और दिल्ली के रितेन्द्र ने 30.85 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

ट्रैक स्पधाओं में महिलाओं की 100 मीटर (टी 35, टी 37 और टी 42) दौड़ में उत्तर प्रदेश की प्रीति पाल ने 15 सेकेंड की प्रभावशाली स्प्रिंट के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके बाद गुजरात की बीना मोर्दिया रहीं जिन्होंने 17.20 सेकेंड का समय लिया, जबकि हरियाणा की अवनी ने 20.40 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 100 मीटर (टी12 और टी 13) वर्ग में उत्तर प्रदेश की सिमरन ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए 12.30 सेकंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। ओडिशा की जानकी ओरम (14.20 सेकंड) और गोवा की साक्षी काले (14.90 सेकंड) उनसे पीछे रहीं। पुरुषों के शॉट पुट (एफ 56 और एफ 57) में, एसएससीबी ने सूपड़ा साफ किया। होकातो सेमा ने 14.88 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, उसके बाद सोमन राणा (14.66 मीटर) और शुभम जुयाल (13.58 मीटर) रहे।

ड्यूक बॉल को लेकर फिर हंगामा, अंपायर से भिड़े गिल; कड़ी आलोचना के बाद निमार्ता बदलाव के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स में खेला जा रहा है। इस मैच में एक बार फिर ड्यूक बॉल को लेकर विवाद हुआ है। शुक्रवार को महज 10 ओवर के बाद ही गेंद बदलनी पड़ी, जिस पर भारतीय खिलाड़ियों ने नाराजगी जताई। कप्तान शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज की अंपायर से बहस भी हुई। अब इस मामले पर ड्यूक बॉल की निमार्ता कंपनी के मालिक दिलीप जाजोदिया का बयान आया है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड में असामान्य रूप से गर्म मौसम और मौजूदा समय में बल्लेबाजों के आक्रामक खेल को ध्यान में रखते हुए उनकी कंपनी सुधार करने के लिए हमेशा तैयार रहती है।

गिल और पंत ने दूसरे टेस्ट के बाद भी उठाए थे सवाल

मौजूदा सीरीज के दूसरे मुकाबले के बाद भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल और उपकप्तान ऋषभ पंत ने गेंद के इतनी जल्दी नरम होने और आकार बदलने पर निराशा व्यक्त की थी। अपने टेस्ट करियर में 604 में से ज्यादातर विकेट ड्यूक बॉल से लेने वाले इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने भी तेजी से खराब हो रही गेंद के खिलाफ बात की। इस पर जाजोदिया ने कहा, 'सुपरस्टार (बड़े खिलाड़ी) बहस कर सकते हैं। मुझे वही बनाना होगा जो वे चाहते हैं। मैं बस इतना ही कह सकता हूं। आलोचना करना बहुत आसान है।'

जाजोदिया से जब इस गेंद के जल्दी खराब होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'इस पर मौसम का बड़ा असर होता है। क्रिकेट खेलने का तरीका और बल्ले का प्रकार बदल रहा है। खिलाड़ी शॉट में ज्यादा ताकत का इस्तेमाल कर रहे हैं। गेंद समय-समय पर बाउंड्री के बाहर कठोर चीजों से टकराती है। ऐसे में भी यह गेंद 80 ओवर तक चलती है और यह एक चमत्कार की तरह है।'

ड्यूक गेंद पर लेकर ईसीबी की नाराजगी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'नहीं, कोई तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। हम एक टेस्ट श्रृंखला के बीच में हैं। मैं पूरे सम्मान के साथ कह रहा हूं कि पिछले मैचों में दो नतीजे आए हैं। इसमें भारत ने एक मैच जीता है। कप्तान गिल ने किसी भी अन्य खिलाड़ी से अधिक रन बनाए हैं।

10 ओवर के बाद गेंद बदलने से भारतीय खिलाड़ी नाराज

लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन सुबह के सत्र में दो बार गेंद को बदला गया। महज 10 ओवर के खेल के बाद गेंद को दोबारा बदलने को लेकर भारतीय खिलाड़ियों में रोष दिखा। जाजोदिया ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, 'विश्व क्रिकेट में केवल तीन मान्यता प्राप्त निमार्ता हैं (ड्यूक्स, एसजी और कूकाबुरा)। क्रिकेट गेंद बनाना आसान नहीं है। यह अगर आसान होता, तो दुनिया भर में सैकड़ों निमार्ता होते। इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को यह समझने की जरूरत है कि हम हाथ पर हाथ धरे बैठे नहीं हैं। हम अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। अगर कोई समस्या है तो उसकी समीक्षा की जाएगी और हम उसका हल निकालने की कोशिश करेंगे। चाहे वह चमड़े की खराबी हो या किसी और चीज की। हम इसकी जांच करेंगे। मैं आराम से बैठा सिगार नहीं पी रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'खिलाड़ी मेरी क्रिकेट गेंद की आलोचना कर सकते हैं। मैं भी खराब शॉट या खराब गेंद के लिए उनकी आलोचना कर सकता हूं। आप जानते हैं मेरा क्या मतलब है? आपको समझदार होना होगा।'

संन्यास की अटकलों पर आया जोकोविच का बयान

सर्बिया। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए साफ कहा है कि वह एक बार और विंबलडन में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि उनका इरादा कम से कम एक बार और इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में खेलने का है। बता दें कि, शुक्रवार को विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने जोकोविच को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। अब सिनर का सामना अल्कारेज से होगा।

संन्यास पर बोले जोकोविच

सेंटर कोर्ट पर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर से 6-3, 6-3, 6-4 से मिली हार ने जोकोविच के विंबलडन में रोजर फेडरर के आठ चैंपियनशिप के पुरुष रिकॉर्ड की बराबरी करने और 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के प्रयास पर पानी फेर दिया। जोकोविच ने कहा, 'मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।'

जोकोविच क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान आखिरी सेट में चोटिल हो गए थे और सेमीफाइनल में वह अपने पूरे रंग में नहीं दिखे। जोकोविच ने कहा, 'मैं अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहता। मैं सिर्फ अपने प्रदर्शन को लेकर बात करना चाहता हूं। मुझे इस बात की निराशा जरूर है कि मैं उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया जितना मैंने सोचा था या उम्मीद की थी।' जोकोविच ने इस साल अभी तक तीनों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाए। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वह चोट के कारण पहले सेट के बाद बाहर हो गए थे जबकि फ्रेंच ओपन और विंबलडन में सिनर ने उन्हें फाइनल में नहीं पहुंचने दिया।

सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने दी नोवाक जोकोविच को मात, फाइनल में कार्लोस अल्कारेज से होगा सामना

सर्बिया। यानिक सिनर ने सेमीफाइनल मुकाबले में नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में सिनर ने जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हरा दिया। खिताबी मैच में अब उनका सामना कार्लोस अल्कारेज से होगा। खिताबी मैच में अब उनका सामना कार्लोस अल्कारेज से होगा। इससे पहले गत विजेता अल्कारेज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

सिनर पहली बार विंबलडन फाइनल में पहुंचे

नंबर एक रैंकिंग वाले सिनर सेंटर कोर्ट में अपनी इस जीत के साथ पहली बार विंबलडन के फाइनल में पहुंचे हैं। अल्कारेज 22 साल की उम्र में लगातार तीसरा विंबलडन खिताब और कुल मिलाकर छठा ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से एक मैच दूर हैं। अब उनकी टक्कर फाइनल में 23 साल के इतालवी खिलाड़ी सिनर से होगी।

अल्कारेज अच्छी लय में

दूसरे वरीय अल्कारेज लगातार 24 मैचों की जीत की लय के साथ रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंचे। अल्कारेज ने ऑल इंग्लैंड क्लब में 2023 और 2024 के खिताबी मुकाबलों में जोकोविच को हराया था और अब तक मेजर फाइनल में उनका रिकॉर्ड 5-0 है। इसमें एक महीने पहले फ्रेंच ओपन में सिनर पर पांच सेटों में मिली वापसी की जीत भी शामिल है।

फ्रिट्ज को लगा झटका

पांचवीं वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज पिछले साल अमेरिकी ओपन में सिनर से हारकर उप विजेता रहे थे। 2009 में एंडी रोडिक के रोजर फेडरर से हारने के बाद फ्रिट्ज विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बनने की कोशिश में जुटे थे।

बुमराह घर से बाहर सबसे ज्यादा 5-विकेट लेने वाले भारतीय

रूट के टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच, गिल के सीरीज में 600 रन पूरे

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। मुकाबले के दूसरे दिन इंग्लैंड ने 387 रन बनाए। भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट खोकर 145 रन बना लिए। टीम 242 रन पीछे है।

शुभमन गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में 600 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए। जो रूट टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बने। वहीं जसप्रीत बुमराह देश से बाहर टेस्ट में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए।

बुमराह के 450 विकेट पूरे जसप्रीत बुमराह ने पहली पारी में बेन स्टोक्स का विकेट लेने के साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 450 विकेट पूरे कर लिए। बुमराह के नाम टेस्ट में 215, वनडे में 149 और टी-20 में 89 विकेट हैं। बुमराह ने पहली पारी में 5 विकेट भी लिए। टेस्ट में उन्होंने 15वीं बार 5-विकेट लिए। यह घर से बाहर उनका 13वीं बार 5-विकेट हॉल रहा। बुमराह घर से बाहर सबसे ज्यादा 5-विकेट लेने वाले भारतीय बने। उन्होंने कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा, जिनके नाम 12 बार 5-विकेट लेने का रिकॉर्ड था। रूट ने भारत के खिलाफ 11वां टेस्ट शतक लगाया इंग्लैंड के सबसे सफल बैटर जो रूट ने शतक लगा दिया। यह टेस्ट में उनका 37वां शतक रहा, इस मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ा। जिनके नाम 36 टेस्ट शतक हैं। रूट ने भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट सेंचुरी लगाने के मामले में स्मिथ की बराबरी भी कर ली। दोनों के नाम 11-11 टेस्ट शतक हैं।

बुमराह ने रूट को 15वीं बार आउट किया जो रूट को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड किया। इसी के साथ बुमराह इंटरनेशनल क्रिकेट में रूट को सबसे ज्यादा बार आउट करने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने 15वीं बार रूट को पवेलियन भेजा। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने रूट को 14 बार पवेलियन भेजा है।

रूट सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बने जो रूट ने भारत की बैटिंग के दौरान करुण नायर का स्लिप में कैच पकड़ा। इसी के साथ वे बतौर फील्डर टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बन गए। रूट ने भारत के ही राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 210 कैच थे। रूट के 211 कैच हो गए।

जैमी स्मिथ सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले विकेटकीपर इंग्लैंड के विकेटकीपर जैमी स्मिथ सबसे कम गेंदों में एक हजार टेस्ट रन बनाने वाले विकेटकीपर बने। उन्होंने पाकिस्तान के सरफराज अहमद का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1311 गेंदों में 1000 रन पूरे किए थे। स्मिथ ने 1303 गेंदों पर ही हजार रन बना लिए। शुभमन इंग्लैंड में 600 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय शुभमन गिल लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 16 ही रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, उन्होंने इतने कम रन के बावजूद मौजूदा सीरीज में 600 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ शुभमन इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में 600 प्लस रन बनाने वाले दूसरे ही भारतीय बने। उनसे पहले 2002 में राहुल द्रविड़ 602 रन बना चुके हैं।

इटली ने पहली बार टी-20 वर्ल्डकप के लिए क्वालिफाई किया: नीदरलैंड ने भी अपना स्थान पक्का किया

इटली। इटली ने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले मेंस टी-20 वर्ल्डकप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह पहली बार होगा जब टीम वर्ल्डकप का हिस्सा होगी। उनके साथ नीदरलैंड ने भी इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। दोनों टीमों ने यूरोपियन क्वालिफायर में टॉप-2 स्थान हासिल कर यह उपलब्धि हासिल की।

पिछले चार टी-20 वर्ल्डकप का हिस्सा रह चुके स्कॉटलैंड को जर्सी के खिलाफ आखिरी गेंद पर हार झेलनी पड़ी और वे क्वालिफाई करने से चूक गए। उन्हें चार मैचों में सिर्फ एक मैच में जीत मिली।

नीदरलैंड ने इटली को 9 विकेट से हराया 11 जुलाई 2025 को खेले गए यूरोपियन क्वालिफायर के आखिरी मुकाबले में इटली का सामना नीदरलैंड से हुआ। हालांकि इटली को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे उनके टी-20 वर्ल्ड कप में क्वालिफाई करने पर कोई असर नहीं पड़ा। मैच में इटली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड की टीम 16.2 ओवर में सिर्फ एक विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

जर्सी जीत के बावजूद चूका आखिरी मैच में एक विकेट से जीत के बावजूद जर्सी भी टूर्नामेंट से बाहर हो गया। इटली और जर्सी दोनों के पास पांच-पांच पॉइंट्स थे, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण इटली 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में जगह बनाने में सफल रहा।

5 टीमों की जगह खाली टी-20 वर्ल्ड कप 2026 भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। मेजबान भारत और श्रीलंका के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और कनाडा पहले ही पहुंच चुके हैं। इस टूर्नामेंट में 20 टीमें हिस्सा लेंगी, ऐसे में 5 टीमों की जगह खाली है।

कुंबले ने उठाई क्रिकेट नियमों में बदलाव की मांग आईसीसी से की इन मुद्दों पर फैसला लेने की सिफारिश

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने क्रिकेट नियमों में बदलाव की मांग की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध हटाने और ड्यूक गेंद की गुणवत्ता बहान करने की सिफारिश की है। दरअसल, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज के अभी सिर्फ तीन मुकाबले हुए हैं और ड्यूक बॉल को लेकर विवाद शुरू हो गया है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो से बात करते हुए कुंबले ने कहा, 'हां, यह उचित ही है कि गेंद नरम हो रही है या उसे बदलने की जरूरत है क्योंकि यह लगातार और बहुत बार अपनी लय खो रही है। कुछ तो जरूर करना होगा। अगर गेंद 10 ओवर तक नहीं टिकती, तो बार-बार गेंद बदलना अच्छी बात नहीं है - न सिर्फ क्रिकेट के लिए, बल्कि गेंद के लिए भी।'

10 ओवर के खेल के बाद गेंद बदलने से भारतीय खिलाड़ी नाराज

लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन सुबह के सत्र में दो बार गेंद को बदला गया। महज 10 ओवर के खेल के बाद गेंद को दोबारा बदलने को लेकर भारतीय खिलाड़ियों में रोष दिखा था। महान लेग स्पिनर कुंबले ने आगे कहा कि एक संभावित समाधान पिछले वर्षों के विनिर्माण मानकों पर लौटना हो सकता है। उन्होंने ड्यूक्स गेंद के पुराने संस्करण को बहाल करने की मांग का समर्थन करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि यह उचित है कि आप पाँच साल पहले जो उपलब्ध था उसे वापस लाएं।'

कुंबले ने की लार के उपोयग पर प्रतिबंध हटाने की मांग

इस दौरान कुंबले ने आईसीसी से गेंद को चमकाने के लिए लार के उपयोग पर प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा- इससे निश्चित रूप से मदद मिलेगी। गेंद को बेहतर ढंग से चमकाएं और कम से कम उसे रिवर्स करें। आजकल, ऐसे ज्यादा मौके नहीं आते जहां गेंद रिवर्स हो, खासकर इन हालातों में।'

राहुल ने अर्धशतक लगाकर भारत को संभाला

बुमराह के 'पंजे' ने इंग्लैंड को विशाल स्कोर बनाने से रोका

नई दिल्ली। जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी ने जहां इंग्लैंड को पहली पारी में विशाल स्कोर बनाने से रोका, वहीं सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने अर्धशतक लगाकर भारतीय पारी को संभाले रखा। इंग्लैंड ने पहली पारी में 387 रन बनाए थे। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में तीन विकेट पर 145 रन बनाए हैं और वह अभी इंग्लैंड से 242 रन पीछे चल रही है। स्टंप्स के समय केएल राहुल 53 रन और ऋषभ पंत 19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स, जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला है।

इंग्लैंड को ऑलआउट करने के बाद भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने यशस्वी जायसवाल का विकेट जल्द गंवाया जो आठ गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 13 रन बनाकर आउट हुए। यशस्वी आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन जोफ्रा आर्चर की गेंद पर हैरी ब्रूक को कैच थमा बैठे। इसके बाद केएल राहुल ने करुण नायर के साथ मिलकर पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई। इसे बेन स्टोक्स ने करुण को आउट कर तोड़ा। करुण अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन 62 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हो गए।

बल्लेबाजी के लिए उतरे पंत

इंग्लैंड को शुभमन गिल के रूप में तीसरी सफलता मिली। क्रिस वोक्स ने शुभमन गिल को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। पिछले टेस्ट में दोहरा शतक और शतक लगाने वाले कप्तान गिल तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और 16 रन बनाकर आउट हुए। भारत के लिए राहत की बात यह रही कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए उतरे। पंत पहले दिन विकेटकीपिंग करते वक्त चोटिल हो गए थे और मैदान से बाहर चले गए थे। उन्होंने दूसरे दिन भी विकेटकीपिंग नहीं की थी और उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने ही विकेट के पीछे जिम्मा संभाला था। हालांकि, बल्लेबाजी के लिए पंत उतरे जिससे उनकी चोट को लेकर चल रही चचाओं पर विराम लगा। इससे पहले, इंग्लैंड के लिए अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने शतकीय और जैमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने दूसरे दिन चार विकेट पर 251 रन से आगे खेलना शुरू किया। जो रूट 99 और बेन स्टोक्स ने 39 रन से आगे पारी बढ़ाई। रूट ने दिन के खेल की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर अपने टेस्ट करियर का 37वां शतक पूरा किया। रूट का लॉर्ड्स मैदान पर यह लगातार तीसरा शतक है। वह तीसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में लगातार तीन शतक लगाए हैं। रूट के टेस्ट करियर का यह 37वां सैकड़ा है और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गए। रूट शतक लगाने के बाद ज्यादा देर टिक नहीं सके और जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर उनकी पारी का अंत किया। रूट 199 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 104 रन बनाकर आउट हुए।

दूसरे दिन इंग्लैंड की शुरूआत खराब हुई। बुमराह ने पहले सत्र में तीन विकेट झटके। उन्होंने बेन स्टोक्स (44), जो रूट (104) और क्रिस वोक्स (0) को पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद मोर्चा जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स ने संभाला। दोनों के बीच आठवें विकेट के लिए 80 से ज्यादा रनों की साझेदारी हुई जिसे मोहम्मद सिराज ने तोड़ा। उन्होंने जेमी स्मिथ को अपना शिकार बनाया, जो 56 गेंदों में 51 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद बुमराह ने जोफ्रा आर्चर के रूप में इंग्लैंड को नौवां झटका दिया। वह सिर्फ चार रन बना पाए। बुमराह ने इस तरह पारी में पांच विकेट लिए। बुमराह भारत के 15वें गेंदबाज हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में पांच या इससे अधिक विकेट लिए हैं। वहीं, बुमराह विदेशी धरती पर सर्वाधिक बार फाइव-फर लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए। बुमराह विदेशी धरती पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं और उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर भी यह जारी रखा है। बुमराह ने लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में फाइव-फर लिया था और अब तीसरे टेस्ट में भी वह ऐसा करने में सफल रहे।

रामकथा की मर्यादा के लिए प्रदीप चौधरी ने दिया त्यागपत्र, बोले-

'संघर्ष नहीं, समाधान चाहिए, समर्पण चाहिए'

गाजियाबाद, करंट क्राइम। श्री आदर्श धार्मिक रामलीला कमेटी (रजि.) संजय नगर से जुड़े पूर्व महामंत्री एवं सक्रिय पदाधिकारी प्रदीप चौधरी ने आज श्रावण मास के पहले दिन अपने घोषित पद से त्यागपत्र देकर श्रीरामलीला की गरिमा को सर्वोपरि मानते हुए एक प्रेरणादायक पहल की है। प्रदीप चौधरी ने अपने संदेश में कहा कि रामलीला कोई मंच या मेला भर नहीं, यह मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की स्मृति और जनभावनाओं की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है। जब मंचन से अधिक चर्चा आपसी टकराव, जातीय ध्रुवीकरण और गुटबाजी की होने लगे, तब यह आत्ममंथन का समय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह त्याग कोई पराजय नहीं, बल्कि एक आत्मिक विजय है – अपने स्वार्थ, अहम और पक्षधरता पर। उन्होंने अपील की कि रामलीला समिति से जुड़े सभी सदस्य संविधानिक प्रक्रिया, समिति के बायलॉज और लोकसम्मान की मर्यादा में रहकर ही निर्णय लें।

अब समय है कि श्रीरामलीला 2025 को निर्विवाद, भव्य और जनभावनाओं के अनुरूप बनाने हेतु हम सभी अपने-अपने खेमे और अहंकार त्यागकर एकमत हो जाएं। संविधानिक चुनाव ही हर विवाद का एकमात्र सम्मानजनक समाधान है।

उन्होंने कहा कि मीडिया में जिस प्रकार के विवादात्मक समाचार सामने आ रहे हैं – जैसे फूल वालों की रामलीला में इस बार चलेंगे एक-दूसरे पर भगवा तीर – वे अत्यंत पीड़ादायक हैं और रामकथा की मर्यादा के प्रतिकूल हैं। ऐसे में आत्मसंयम और मर्यादित व्यवहार ही श्रीराम के आदर्शों का पालन है। प्रदीप चौधरी ने अपना त्यागपत्र श्रीराम के चरणों में समर्पित करते हुए यह आह्वान किया कि रामकथा को मंच तक सीमित न रखें, उसे अपने आचरण में उतारें।

मोदीनगर में गैस एजेंसी पर दिनदहाड़े लूट

तीन बदमाशों ने सेल्समैन से 50 हजार रुपए छीने, एक आरोपी पकड़ा

मोदीनगर करंट क्राइम। मोदीनगर के भोजपुर थाना क्षेत्र में स्थित तलहैटा गांव की एक गैस एजेंसी पर शनिवार को दिनदहाड़े लूट की वारदात हुई। तीन नकाबपोश बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर सेल्समैन से 50 हजार रुपए और मोबाइल छीन लिया। घटना दोपहर की है, जब सेल्समैन श्रीओम एजेंसी पर अकेले थे। एक बाइक पर सवार तीन बदमाश आए। दो बदमाश अंदर गए, जबकि एक बाहर निगरानी करता रहा। अंदर आए बदमाशों ने श्रीओम की कनपटी पर पिस्टल सटा दी और रुपयों से भरा बैग व मोबाइल छीन लिया।

बदमाशों ने दहशत फैलाने के लिए एक हवाई फायर किया। श्रीओम ने हिम्मत दिखाते हुए एक बदमाश को पकड़ने की कोशिश की। इस पर दूसरे बदमाश ने दो और फायर किए। सौभाग्य से किसी को गोली नहीं लगी। श्रीओम ने एक बदमाश को पकड़ लिया, जबकि अन्य दो बदमाश रुपए और मोबाइल लेकर बाइक पर फरार हो गए। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया है कि वह शाहजहांपुर गांव का रहने वाला है। उसके दो साथी भी वहीं के हैं। पुलिस ने श्रीओम की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। फरार बदमाशों की तलाश में तीन टीमें लगी हैं। सीसीटीवी फुटेज में बदमाश वारदात करते हुए कैद हुए हैं।

फर्जी जज बनकर बुजुर्ग से साइबर ठगी

व्हाट्सऐप पर डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर रिटायर्ड कर्मचारी से 90 लाख ठगे

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के सूर्य नगर में रहने वाले 74 वर्षीय सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी के साथ साइबर अपराधियों ने धोखाधड़ी की। ठगों ने खुद को ट्राई अधिकारी बताकर फोन किया। उन्होंने पीड़ित को बताया कि उनके नंबर पर शिकायत है और दो घंटे में नंबर बंद कर दिया जाएगा।

साइबर ठगों ने पीड़ित को बताया कि मुंबई के कोलाबा थाने में उनके खिलाफ अश्लील सामग्री भेजने की शिकायत दर्ज है। इसके बाद एक और व्यक्ति ने खुद को कोलाबा थाने का सीओ बताया। उसने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला बताते हुए थाने आने को कहा।

अगले दिन एक व्यक्ति ने व्हाट्सऐप वीडियो कॉल पर जज की पोशाक में आकर खुद को सुप्रीम कोर्ट का चीफ जस्टिस बताया। उसने पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट की धमकी दी। ठगों ने पीड़ित से आधार कार्ड और बैंक विवरण मांगे। उन्होंने कहा कि जांच के लिए पैसे सरकारी खाते में ट्रांसफर करने होंगे। पीड़ित ने 5 से 7 जुलाई के बीच डीसीबी, एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक के चार अलग-अलग खातों में कुल 90.05 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

एडीसीपी क्राइम पीयूष कुमार सिंह के अनुसार, मामला दर्ज कर लिया गया है। ठगों के मोबाइल नंबर, बैंक खातों और व्हाट्सऐप कॉल की तकनीकी जांच की जा रही है।

जेवर एयरपोर्ट के पास निर्माण के नए नियम

20 किमी के दायरे में बिल्डिंग या पेड़ लगाने से पहले एएआई से एनओसी जरूरी

गौतम बुद्ध नगर करंट क्राइम। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर किरण जैन ने एयरपोर्ट के आसपास निर्माण को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी है। एयरपोर्ट के एयरोड्रम रेफरेंस पॉइंट से 20 किलोमीटर के दायरे में कोई भी निर्माण कार्य शुरू करने से पहले भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) से एनओसी लेना अनिवार्य होगा।

यह नियम न केवल बिल्डिंग निर्माण पर लागू होगा, बल्कि पेड़ लगाने पर भी। इस नियम का उद्देश्य विमान संचालन की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित करना है। स्थानीय निकायों को 20 किलोमीटर की परिधि में होने वाले किसी भी विकास कार्य से पहले सूचित करना होगा।

स्थानीय निकाय एएआई द्वारा जारी कलर-कोडेड जोनिंग मैप से अनुमेय ऊंचाई की जांच करेंगे। निर्माण की प्रस्तावित ऊंचाई के आधार पर, आवेदकों को एएआई के एनओसीएएस पोर्टल के माध्यम से एनओसी के लिए आवेदन करना होगा।

यह प्रक्रिया नागरिक उड्डयन मंत्रालय के नियम 2015 के तहत संचालित होती है। नियमों का उल्लंघन करने वाला कोई भी निर्माण विमान संचालन और नेविगेशन सिस्टम के लिए खतरा बन सकता है। पहले यह सीमा त्रुटिवश 10 किलोमीटर बताई गई थी, जिसे अब सही कर 20 किलोमीटर कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए, विमान (भवन और पेड़ों से उत्पन्न बाधाओं को गिराना) नियम, 2023 अधिकारियों को कानूनी कार्यवाही शुरू करने का अधिकार देते हैं, जिसमें अनाधिकृत संरचनाओं या पेड़ों को गिराना और विमान नियमों के तहत दंड लगाना शामिल है।

गोविंदपुरम में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई

कार टकराने के हादसे में दो युवक घायल, पुलिस जांच में जुटी

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के गोविंदपुरम में देर रात एक कार डिवाइडर से टकरा गई। कविनगर थाना क्षेत्र में हुए इस हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। कार की टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास के लोग टक्कर की आवाज सुनकर मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायल युवकों को कार से बाहर निकाला। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों युवक शराब के नशे में थे। वे लापरवाही से गाड़ी चला रहे थे। कार की रफ्तार इतनी अधिक थी कि चालक ब्रेक लगाने में भी असफल रहा।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, इस क्षेत्र में रात के समय अक्सर तेज रफ्तार वाहन चलते हैं। इससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया है। घायल युवकों की मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में बारिश से जलभरावःबीटा-1 सेक्टर में पानी भरा, लोगों को हुई परेशानी

गौतम बुद्ध नगर करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा में हुई मूसलाधार बारिश ने प्राधिकरण की मानसून तैयारियों की पोल खोल दी है। बीटा-1 सेक्टर में बारिश के बाद जगह-जगह पानी भर गया। इससे आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। जलभराव की समस्या से जहां बड़ों को दिक्कतें आईं, वहीं छोटे बच्चे जमा पानी में खेलते और मस्ती करते नजर आए। मामूली बारिश में ही सेक्टर में पानी भर जाने से प्राधिकरण के विकास कार्यों पर सवाल उठ रहे हैं। यह स्थिति प्राधिकरण की ओर से किए गए मानसून पूर्व तैयारियों के दावों की पोल भी खोलती है।

शादी का झांसा देकर युवती का रेपः इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी दोनों की दोस्ती, आरोपी गिरफ्तार

लोनी करंट क्राइम। गाजियाबाद के थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने दिनांक 27 जून 2025 को थाना ट्रोनिका सिटी में तहरीर दी थी कि मनीष ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और जब पीड़िता ने शादी की बात की तो आरोपी मनीष अपने वादे से मुकर गया। ट्रॉनिका सिटी थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी युवक मनीष और पीड़िता दोनों पड़ोसी हैं और दोनों की बातचीत इंस्टाग्राम के जरिए हुई है। उसके बाद दोनों ने आपस में मिलना जुलना शुरू कर दिया। करीब 2 साल साथ रहने के बाद जब युवती ने शादी की बात कही तो युवक अपने वादे से मुकर गया जिसके बाद पीड़िता ने थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर 12 जुलाई को आरोपी मनीष को मंगल बाजार से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की उम्र लगभग 21 वर्ष है और वह नौकरी करता है।

पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि वह पीड़िता को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाता रहा था और इसी दौरान उसने कई बार शारीरिक संबंध भी बनाए।

एप्पल के नकली मोबाइल पार्ट्स की बिक्री का भंडाफोड़

ग्रेटर नोएडा में 5 दुकानों से 3800 से ज्यादा नकली पार्ट्स जब्त, 5 गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा में एप्पल और समिता लीगल कंपनी ने पुलिस के साथ मिलकर नकली मोबाइल पार्ट्स बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। जगत फार्म मार्केट में की गई छापेमारी में पांच दुकानों से एप्पल के नकली पार्ट्स बरामद किए गए हैं।

पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें इमरान, अंकुर गुप्ता, विशाल भाटी, दानिश और मनी भूषण शर्मा शामिल हैं। सभी आरोपी श्री अमृत प्लाजा की दुकानों में नकली सामान बेच रहे थे।

छापेमारी में एप्पल कंपनी के 1611 नकली बैक कवर, 1448 मेम्बरेन, 8 टच फोल्डर और 730 स्पेयर पार्ट्स बरामद किए गए। यह कार्रवाई थाना बीटा-2 पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर की।

आरोपी महंगी कंपनियों के नाम पर नकली मोबाइल पार्ट्स बेचकर अवैध तरीके से धन कमा रहे थे। पुलिस सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है।

नोएडा पुलिस ने 100 मोबाइल असली मालिकों तक पहुंचाए

सर्विलांस सेल की ली मदद, ये अलग-अलग स्थानों से किए गए ट्रेस

नोएडा करंट क्राइम। नोएडा पुलिस ने सर्विलांस की मदद से 100 फोनों को ट्रैक किया। उनको ढूंढा और असली मालिकों को आज सुपुर्द किया। ये काम नोएडा पुलिस के सर्विलांस सेल के सहयोग से किया गया। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी और एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने थाना फेज-2 में लोगों के गुम हुए अलग-अलग कंपनियों के 100 स्मार्ट मोबाइल फोन उनके मालिकों को दिए।

डीसीपी ने बताया कि ये मोबाइल फोन भीड़-भाड़ वाले बाजारों,सब्जी व फलों की मंडियों व साप्ताहिक बाजारों में सामान खरीदते समय नीचे झुकने, बैठने व धक्का मुक्की में गिर गये थे। कुछ मोबाइल ऐसे भी है जो लोगों के यात्रा के दौरान मोबाइल ऑटो, टैक्सियों, बसों व मेट्रो ट्रेनो में छूट गये थे।

बाइक चलाते समय ब्रेकर आने पर जेबो से निकल कर गिर गये थे। ई-रिक्शा में यात्रा करते समय ब्रेकर आने पर गिर गये थे। खुले में काम करने वाले कारीगरों के काम समाप्त करने के बाद वही काम के दौरान छूट गये थे सार्वजनिक पार्क में खेलने के दौरान, व्यायाम करने के दौरान छूट गये थे। कुछ मोबाइल ऐसे है जो शराब के नशे लोगो के गिर गये थे या कहीं छूट गये थे। इन सभी मोबाइल को सर्विलांस के जरिए इनकी लोकेशन को ट्रैक किया गया। इसके बाद असल मालिकों को दिया गया।

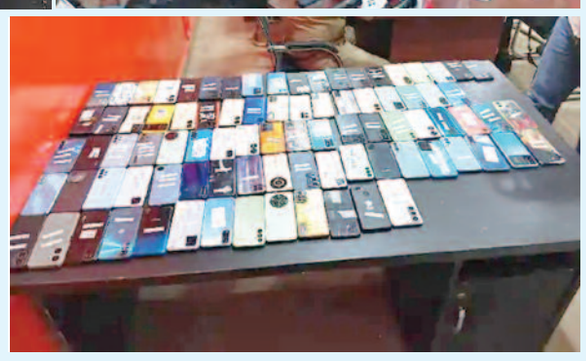

किस थ्री-स्टार के आवास में निकली चंदन- गो

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते कई दिनों से खाकी वालों पर जीव जंतुओं का साया कुछ ज्यादा ही नजर आ रहा है। कुछ दिन पहले जहां पुलिस लाइन गाजियाबाद में आईपीएस अधिकारी से लेकर पीपीएस अधिकारी के आवास और किचन गार्डन में जहरीले कोबरा सांप देखे गए, तो वहीं एक अधिकारी के तो घर में प्रवेश हो गया था। वही शनिवार को फिर सिटी जोन के एक थाने में चंदन-गो को देखी गई है। चंदन-गो बेहद लंबी और बड़ी बताई जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बता रहे हैं कि सिटी के एक थाने के भीतर नदिया पार वाले एक कोतवाल का आवास है। जिस थ्री-स्टार का यहां आवास है, वैसे वो इस थाने में भी पूर्व में रह चुके हैं। सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है कि दोपहर में उनके कमरे पर चंदन-गो को देखा गया है। जैसे ही यह सूचना थाने वाले अन्य पुलिस कर्मियों को लगी दो-तीन लोग वहां पहुंचे और चंदन-गो को भगाने का प्रयास किया। जिसके बाद चंदन-गो वहां से तेजी से दौड़ती हुई निकलकर थाने के मैदान में दौड़ी और फिर एसीपी कार्यालय के निकट पुराने वाहनों और झाड़ियां में घुस गई। चंदन-गो को देखने व उनके होने की सूचना पर आनन-फानन में थाने वालों ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट वाले कर्मचारियों को सूचना दी गई। जब तक वन विभाग वाले अपना साजो समान लेकर मौके पर पहुंचते और रिस्क्यू को चालू करने का काम करते, तब तक न जाने चंदन-गो किस पुरानी गाड़ी या किस कार के तहखाना में घुस गई है, पता नहीं चल पाया है। कई घंटे तक चंदन-गो को खोजने की मशक्कत की गई लेकिन उसके बाद से थाने और वहां ड्यूटी देने वाले पुलिसकर्मी डरे हुए बताए जा रहे हैं। बता दें कि चंदन-गो एक बड़ी छिपकली जैसी नजर आती है। उसकी जीभ व तेज गति अलग से नजर आती है और लंबी होती है, उससे पुलिसकर्मी बेहद डरे हुए हैं। बताया जा रहा है कि थाने के काफी हिस्से में हरियाली और पेड़ पौधे हैं। तो पुराने वाहन भी खड़े हैं, ऐसे में अब पुलिस कर्मियों को रात में ड्यूटी देने और खुले में जाने में डर सताए जाने की जानकारी मिल रही है। तो वही रात में थाने में अतिरिक्त लाइट लगाने के लिए भी पुलिसकर्मी चर्चा शुरू कर चुके हैं। हालांकि अभी चंदन-गो के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। बता दें की बारिश के दिनों में इस तरीके के जीव जंतु अपने बिलों और आसपास के इलाके से दूसरे जगह निकल आते हैं। जिससे डर और भय का माहौल हो जाता है।

मेरठ मार्ग पर फार्म हाउस में सट्टा का भंडाफोड़

13 जुआरी गिरफ्तार, 1.76 लाख रुपए और 14 मोबाइल जब्त

मोदीनगर करंट क्राइम। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित बीआर फार्म हाउस में सट्टा खेल रहे 13 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मोदीनगर पुलिस को सूचना मिली थी कि फार्म हाउस में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं।

एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय के नेतृत्व में स्वाट टीम और मोदीनगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस ने फार्म हाउस को घेरकर छापेमारी की।

पकड़े गए आरोपियों में प्रवीन, सुशील, राजेश, विकास, शिवांक, राकेश, सचिन कुमार, राजेश कुमार, लकी शर्मा, संजीव, हनी शर्मा और दीपेश शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे शौक के लिए जुआ खेल रहे थे। फार्म हाउस के मालिक ने बताया कि उन्होंने यह जगह संजीव उर्फ सोनू को किराए पर दी थी। संजीव न्यू मानवतापुरी, थाना सिहानी गेट, गाजियाबाद का रहने वाला है। पुलिस ने मौके से 1.76 लाख रुपए की नकदी और 14 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

भाकियू की महापंचायत की तैयारी :30 जुलाई को जेपी वीआईपी गेट पर होगी बैठक, प्रदेश भर से जुटेंगे कार्यकर्ता

जेवर करंट क्राइम। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) महात्मा टिकैत के दनकौर स्थित कैंप कार्यालय पर शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 30 जुलाई 2025 को जेपी वीआईपी गेट के सामने स्थित हाइवे अंडरपास पर होने वाली महापंचायत की तैयारियों पर चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सचिव जयवीर कसाना ने की, जबकि संचालन पंकज शर्मा ने किया। जिला मीडिया प्रभारी सुमित नागर अमरपुर ने बताया कि सभी कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों से महापंचायत में बड़ी संख्या में पहुंचने का आग्रह किया गया है।

पदाधिकारियों ने हजारों कार्यकर्ताओं के आगमन और उनकी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया। साथ ही सभी को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष बॉबी नागर, जिला अध्यक्ष श्यामवीर नागर, राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य जयकिशन, गजराज डेरिन, ओमप्रकाश और रणवीर मोहन उपस्थित थे। इसके अलावा युवा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, युवा जिला सचिव यश लोदाना, जिला कोषाध्यक्ष देविंद्र शर्मा, एनसीआर अध्यक्ष अमित जी और मेरठ मंडल महासचिव रविंद्र नागर समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस्राइली हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 28 फलस्तीनियों की मौत, आई डी एफ 250 ठिकानों को बनाया निशाना

दीर अल बलाह । अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि मध्य गाजा के दीर अल-बलाह इलाके में इस्राइली हवाई हमलों के बाद मरने वालों में बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल हैं।करीब 250 ठिकानों को निशाना बनायाः आईडीएफ इस्राइली सेना ने एक बयान में कहा कि पिछले 48 घंटों में गाजा पट्टी में करीब 250 ठिकानों को निशाना बनाया गया। इनमें हमासे के लड़ाके, विस्फोटकों से भरी इमारतें, हथियारों के गोदाम, एंटी-टैंक मिसाइल लॉन्च पॉइंट, स्नाइपर पोजिशन, सुरंगें और अन्य ढांचे शामिल हैं। हालांकि, आम नागरिकों की मौत को लेकर सेना ने एसोसिएटेड प्रेस के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया।

शुक्रवार रात से शुरू हुए इन हमलों में यहां 13 लोगों की जान गई। वहीं, नासेर अस्पताल ने बताया कि एक पेट्रोल पंप के पास हुए हमलों में चार और लोगों की मौत हुई। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में इस्राइली हमलों में 15 अन्य लोगों की जान गई

अक्तूबर 2023 में किया था हमास ने इस्राइल पर हमला हमास के नेतृत्व वाले लड़ाकों ने सात अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हमले किए थे, जिनमें करीब 1200 लोगों की मौत हो गई थी और ढाई सौ से अधिक को बंधक बना लिया गयथा। अभी भी करीब पचास बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से आधे से कम के जीवित होने की आशंका है। बाकी बंधकों को संघर्षविराम या अन्य समझौतों के तहत रिहा किया जा चुका है।

युद्ध में 57 हजार से अधिक फलस्तीनियों की मौत गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस्राइली कार्रवाई में अब तक 57 हजार से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है, जिनमें आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। यह मंत्रालय हमास के नियंत्रण वाली गाजा सरकार के तहत काम करता है और यह नागरिकों व लड़ाकों के बीच अंतर नहीं करता है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इसके आंकड़ों को युद्ध में हताहतों के सबसे भरोसेमंद स्रोतों में से एक मानती हैं।

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह एक और संघर्षविराम समझौते के करीब हैं, जिसके तहत कुछ और बंधकों को रिहा किया जा सकता है और शायद युद्ध को धीरे-धीरे खत्म किया जा सकता है। हालांकि, इस हफ्ते इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ दो दिन की बातचीत के बावजूद अभी तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है।

डॉक्टरी छोड़ सियासत में आईं 'आंटी जेनी', 72 साल में बनीं राष्ट्रपति

नई दिल्ली । दक्षिण अमेरिका के एक छोटे-से देश सूरीनाम के सर्वोच्च पद पर इसी महीने की सोलह तारीख को पहली बार एक महिला राष्ट्रपति के रूप में विराजमान होगी। हाल ही में, सूरीनाम की संसद ने पेशे से चिकित्सक और दस साल तक नेशनल असेंबली की चेयरपर्सन रहीं डॉ. जेनिफर ग्रीलिंग्स सिमंस को देश की दसवीं राष्ट्रपति के रूप में चुना है। जेनिफर सिमंस पांच साल पहले सक्रिय राजनीति से संन्यास का एलान कर चुकी थीं, लेकिन नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के संस्थापक और पूर्व राष्ट्रपति डेसी बाउटर्स का बीते साल निधन होने के बाद पार्टी नेतृत्वहीन हो गई।

अन्य नेताओं के आग्रह पर जेनिफर ने पार्टी की कमान संभाली और उनके नेतृत्व में इस साल मई में हुए आम चुनाव में एनडीपी सत्ताधारी प्रोग्रेसिव रिफॉर्म पार्टी से एक सीट ज्यादा जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन दो-तिहाई बहुमत से काफी पीछे थी। यह जेनिफर सिमंस की सर्वस्वीकार्यता और करिश्माई नेतृत्व ही है कि अन्य विपक्षी पार्टियों ने उन्हें समर्थन देकर अपने देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनने का गौरव प्रदान किया शुरूआत जेनिफर सिमंस का जन्म पांच सितंबर, 1953 को अटलांटिक महासागर के नजदीक और सूरीनाम नदी के उत्तरी तट पर स्थित देश की राजधानी पारामारिबो में हुआ था। जेनिफर ने स्कूली शिक्षा हासिल करने के बाद एंटोन डी कॉम विश्वविद्यालय से मेडिसिन में चिकित्सा की डिग्री हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने महामारी विज्ञान और कुष्ठ रोग प्रबंधन में स्नातकोत्तर भी किया। त्वचा रोग विशेषज्ञ के रूप में काम करने वाली जेनिफर ने 29 जून, 1981 को चिकित्सक डॉ. ग्लेन ग्रीलिंग्स से शादी की। उनके तीन बच्चे एडवर्ड, जोनाथन और नाओमी हैं। राजनीति में एंट्री डॉ. जेनिफर सिमंस और उनके पति डॉ. ग्लेन ग्रीलिंग्स की अच्छी-खासी मेडिकल प्रैक्टिस चल रही थी, लेकिन 1996 में जेनिफर ने चिकित्सा का पेशा जारी रखते हुए राजनीति में कदम रखा। इसी साल उन्होंने पारामारिबो जिले से एनडीपी की तरफ से चुनाव भी लड़ा और चुनकर नेशनल असेंबली में पहुंचीं। वह एनडीपी की उपाध्यक्ष बनीं और 2000 से 2006 तक संसदीय दल की नेता भी रहीं। वर्ष 2010 में जब एनडीपी सत्ता में आई, तो डॉ. जेनिफर सिमंस को नेशनल असेंबली का अध्यक्ष चुना गया। इस पद पर पहुंचने वाली वह देश की दूसरी महिला बनीं।

शहबाज सरकार ने बढ़ाई मस्क की मुश्किलें, स्टारलिंक जैसी कंपनियों के लिए ला सकती है सख्त नियम

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा की शुरूआत लगातार टल रही है। इसकी बड़ी वजह यह है कि सरकार अब इस क्षेत्र में विदेशी कंपनियों के लिए कड़े नियम बना रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्टारलिंक जैसी कंपनियों के लिए नए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ज्यादा देरी से मस्क की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. हालांकि सख्त दिशानिदेर्शों को लागू करने से पहले सरकार और अंतरिक्ष क्षेत्र की संस्थाएं कंपनियों से सुझाव भी ले रही हैं।

पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, हाल के भारत-पाकिस्तान और ईरान-इस्राइल विवादों के बाद पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर गया है। इसके बाद अब पाकिस्तान स्पेस एक्टिविटीज रेगुलेटरी बोर्ड सैटेलाइट इंटरनेट से जुड़ी कंपनियों के लिए कड़े सुरक्षा नियम ला रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यदि हाल के युद्ध न होते तो शायद इन सुरक्षा पहलुओं पर गौर नहीं किया जाता। नए नियमों में सुरक्षा और लाइसेंसिंग प्रमुख स्टारलिंक पाकिस्तान में काम करने के लिए मार्च में मिला अस्थायी एनओसी समाप्त हो चुका है। अब सभी विदेशी सैटेलाइट ऑपरेटरों को नए बनाए गए 'सैटेलाइट कम्युनिकेशन रेगुलेशंस' के तहत फिर से आवेदन करना होगा। इन कंपनियों को पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन अथॉरिटी (पीटीए) से ऑपरेशनल लाइसेंस भी लेना होगा। स्टारलिंक के साथ दो और कंपनियां लाइन में स्टारलिंक के अलावा दो और कंपनियां, वनवेब और शंघाई स्थित शंघाई स्पेसकॉम सैटेलाइट टेक्नोलॉजी भी पाकिस्तान में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करना चाहती हैं। ये तीनों कंपनियां लो अर्थ ऑर्बिट (लिओ) सैटेलाइट आधारित सेवाएं देती हैं, जो दूर-दराज के क्षेत्रों में भी तेज इंटरनेट पहुंचा सकती हैं।

उत्तर कोरिया के खिलाफ न बनाएं गठबंधन, रूस ने अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया को दी चेतावनी

सिओल । रूस ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान को उत्तर कोरिया के खिलाफ सुरक्षा गठबंधन बनाने से इनकार किया है।

बीते कुछ वर्षों में रूस और उत्तर कोरिया के संबंध मजबूत हुए हैं। उत्तर कोरिया ने रूस को उसके यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में सैनिक और गोला-बारूद उपलब्ध कराए हैं, इसके बदले रूस ने उसे सैन्य और आर्थिक मदद दी है। इससे दक्षिण कोरिया, अमेरिका और अन्य देशों में चिंता बढ़ गई है कि रूस, उत्तर कोरिया को संवेदनशील तकनीक भी दे सकता है, जिससे उसके परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों का खतरा बढ़ सकता है।

चोई से मुलाकात के बाद लावरोव ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान पर आरोप लगाया कि वे उत्तर कोरिया के आस-पास अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसे गठबंधनों को चेतावनी देते हैं जो किसी देश को निशाना बनाते हैं, चाहे वह उत्तर कोरिया हो या रूस। सैन्य अभ्यास बढ़ा रहे अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान अपने त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास बढ़ा रहे हैं या दोबारा शुरू कर रहे हैं, ताकि उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम का जवाब दिया जा सके। शुक्रवार को तीनों देशों ने कोरियाई प्रायद्वीप के पास एक संयुक्त हवाई अभ्यास किया, जिसमें अमेरिकी परमाणु बमवर्षक शामिल थे। इसी दौरान उनके शीर्ष सैन्य अधिकारी सियोल में मिले और उन्होंने उत्तर कोरिया से क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाली सभी गैरकानूनी गतिविधियां बंद करने का आग्रह किया। लावरोव ने किया उत्तर कोरिया का समर्थन उत्तर कोरिया इन बड़े अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य अभ्यासों को आक्रमण की तैयारी मानता है। वह दावा करता रहा है कि उसे अपने आप को अमेरिकी सैन्य खतरे से बचाने के लिए परमाणु हथियार विकसित करने पड़ रहे हैं। लावरोव ने कहा कि रूस उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार बनाने के फैसले को समझता है। उन्होंने कहा, उत्तर कोरिया की तकनीकें उसके अपने वैज्ञानिकों के काम का नतीजा हैं। हम उत्तर कोरिया की आकांक्षाओं का सम्मान करते हैं और समझते हैं कि वह परमाणु विकास क्यों कर रहा है। मुलाकात के दौरान चोई ने दोहराया कि उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ संघर्ष में रूस का बिना शर्त समर्थन करता है।

सियोल में शनिवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि वह इस गठबंधन का कड़ा विरोध करते हैं। वह उत्तर कोरिया के पूर्वी शहर वोंसान की यात्रा पर गए थे, जहां उन्होंने उत्तर कोरियाई समकक्ष चोई सोन हुई से मुलाकात की

टेक्सास में बाढ़ पीड़ितों से मिले ट्रंप, बोले- ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी

वॉशिंगटन । ट्रंप ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों में जुटे स्थानीय अधिकारियों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने पहली बार भावुक लहजे में कहा कि उन्होंने ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी।

ट्रंप लंबे समय से फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फेमा) को खत्म करने की बात करते रहे हैं। लेकिन टेक्सास में भारी नुकसान देखने के बाद उन्होंने फेमा की भूमिका पर कोई टिप्पणी नहीं की। इसके बजाय उन्होंने कहा कि हम जो भी कर सकते हैं, टेक्सास के लिए करेंगे। ट्रंप ने 8 और काउंटियों को 'डिजास्टर जोन' घोषित कर, उन्हें फेडरल मदद दिलाने का ऐलान भी किया।

बाढ़ पीड़ितों के लिए भावुक हुए ट्रंप ट्रंप ने केरविल में आपातकालीन संचालन केंद्र का दौरा किया और कहा कि यहां जो लोग खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं, वे अविश्वसनीय हैं। ऐसा काम शायद ही कोई कर पाए। उन्होंने ह्यकैंप मिस्टिकह्ल का विशेष रूप से जिक्र किया, जहां 27 लड़कियों की मौत हुई। मेलानिया ट्रंप ने भी स्थानीय युवतियों से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें एक खास ब्रेसलेट भेंट किया, जो मृत बालिकाओं की याद में बनाया गया था।

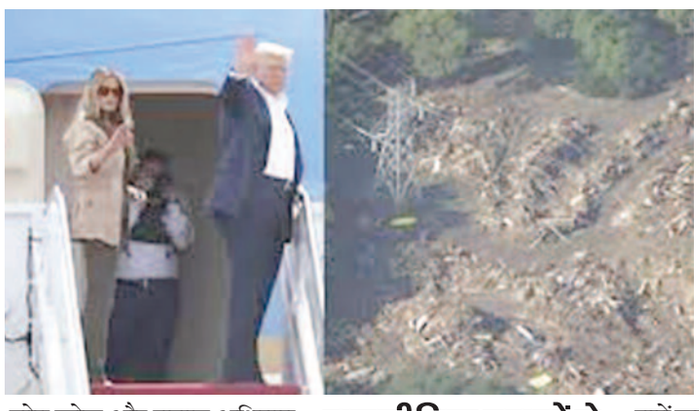

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को टेक्सास के केरविल शहर का दौरा किया,जहां 4 जुलाई को आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। इस बाढ़ में अब तक कम से कम 120 लोगों की मौत हो चुकी है,जबकि 170 से ज्यादा लोग लापता हैं

राजनीतिक हमलों से बचते दिखे ट्रंप

पहले के विपरीत इस दौरे में ट्रंप ने राजनीतिक बयानबाजी से परहेज किया। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति की बात नहीं करना चाहता। हम यहां पीड़ितों के लिए आए हैं। हालांकि उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि उनकी नीतियों से देश में अंडों के दाम घटे हैं। इस दौरान उन्होंने फेमा को लेकर भी सकारात्मक बातें कहीं, जो कि कुछ हफ्ते पहले तक बंद करने की उनकी योजना का हिस्सा थी।

उन्होंने टेक्सास के सांसद चिप रॉय की भी तारीफ की, जिन्होंने पहले ट्रंप के टैक्स बिल का विरोध किया था। ट्रंप ने कहा कि चिप आसान नहीं हैं, लेकिन अच्छा काम करते हैं।

बाढ़ पीड़ितों को मिलेगा फेडरल सहयोग केर काउंटी कमिश्नर जेफ होल्ट ने बताया कि बाढ़ के दौरान फोन टावर काम नहीं कर रहे थे और चेतावनी प्रणाली में भी सुधार की जरूरत है। ट्रंप ने इशारा किया कि ऐसी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। व्हाइट हाउस के बजट निदेशक रसेल वॉट ने कहा कि फेमा के पास अभी भी राहत कार्यों के लिए फंड हैं, और टेक्सास को जो चाहिए, वह मिलेगा।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका का बड़ा एक्शन

वॉशिंगटन । अमेरिका ने शुक्रवार को क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल और अन्य शीर्ष नेताओं व कई अधिकारियों पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप में प्रतिबंध लगा दिए हैं। साथ ही, अमेरिका ने इन नेताओं की वीजा तक पहुंच भी सीमित कर दी है। यह कदम जुलाई 2021 में हुए क्यूबा के बड़े विरोध प्रदर्शनों की वर्षगांठ पर उठाया गया है।बता दें कि जुलाई 2021 में क्यूबा के कई शहरों में बिजली कटौती, भोजन की कमी और आर्थिक संकट को लेकर आम लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध किया था। यह प्रदर्शन किसी विपक्षी पार्टी के नेतृत्व में नहीं, बल्कि स्वतंत्र रूप से शुरू हुए थे। इन प्रदर्शनों को सरकार ने सख्ती से दबा दिया, जिसमें सैकड़ों लोगों की गिरफ्तारी हुई। एक प्रदर्शनकारी की मौत भी हुई थी।

मार्को रुबियो ने किया प्रतिबंध का एलान मामले में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हम उन न्यायिक और जेल अधिकारियों पर भी वीजा प्रतिबंध लगा रहे हैं, जो जुलाई 2021 के प्रदर्शनकारियों की अन्यायपूर्ण हिरासत और यातना में शामिल या सहायक रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका, क्यूबा के लोगों के मानवाधिकार और स्वतंत्रता के लिए खड़ा है और वह यह स्पष्ट करना चाहता है कि तानाशाही शासन को इस क्षेत्र में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

किन किनअधिकारियों पर लगा प्रतिबंध अब बात अगर अधिकारियों पर लगे प्रतिबंध की करें तो, विदेश मंत्री मार्को रुबियो के अनुसार क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल, रक्षा मंत्री आल्वारो लोपेज मिएरा और गृह मंत्री लाजारो अल्वारेज कासास पर प्रतिबंध लगाया गया है। इन तीनों पर मानवाधिकार हनन के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

युवाओं की प्रजनन दर गिरी गर्भधारण की औसत उम्र 28 पहुंची

नई दिल्ली । आज के युवा तेजी से विवाह और गर्भधारण को टाल रहे हैं, जिससे न सिर्फ औसत गर्भधारण की उम्र बढ़ी है, बल्कि बड़ी संख्या में युवा अपनी मनचाही संतान संख्या से भी पीछे रह जा रहे हैं। कुछ देशों में यह समस्या काफी गहरा गई है। विश्व जनसंख्या दिवस पर जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की रिपोर्ट में दुनिया के युवाओं की बदलती प्रजनन प्राथमिकताओं और चुनौतियों को लेकर यह खुलासा है।

वैश्विक जनसंख्या वृद्धि की गति भले ही धीमी पड़ रही हो, लेकिन रिपोर्ट दशार्ती है कि समस्या केवल गिरती प्रजनन दर नहीं, बल्कि युवाओं की घटती प्रजनन क्षमता और सीमित विकल्पों की भी है। दुनिया में गर्भधारण की औसत आयु अब 28 वर्ष हो गई है जो प्रजनन संबंधी व्यवहार में व्यापक बदलाव का संकेत है। युवाओं की घटती प्रजनन क्षमता की मुख्य वजह सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय दबावों का संयोजन है।

रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन, युद्ध, महामारी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता युवाओं को परिवार बढ़ाने से हतोत्साहित कर रही है। इसके साथ ही महंगा आवास, बच्चों की परवरिश का खर्च, नौकरी की असुरक्षा और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच जैसे आर्थिक कारण भी निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। इन कारणों से बड़ी संख्या में युवा या तो गर्भधारण को टाल रहे हैं या इच्छित संख्या में संतान पैदा नहीं कर पा रहे हैं। जापान, इटली, स्पेन, चीन और जर्मनी में सबसे तेज गिरावट रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में प्रजनन दर में सबसे तेज गिरावट दक्षिण कोरिया, जापान, इटली, स्पेन, चीन और जर्मनी जैसे देशों में देखी जा रही है।

अगले हफ्ते चीन के दौरे पर जाएंगे विदेश मंत्री एस. जयशंकर

बीजिंग । भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर अगले हफ्ते चीन के तिआनजिन शहर में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए चीन जाएंगे। इस बारे में चीनी विदेश मंत्रालय ने शनिवार को जानकारी दी। यह बैठक 15 जुलाई को तियानजिन में होगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि एससीओ बैठक में भाग लेने के अलावा जयशंकर चीन की आधिकारिक यात्रा पर भी रहेंगे।

एससीओ में भारत, चीन, रूस, ईरान, पाकिस्तान, बेलारूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। इस बैठक में सदस्य देशों के विदेश मंत्री और एससीओ के स्थायी निकायों के प्रमुख भाग लेंगे। वे क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के साथ-साथ संगठन के सहयोग से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे।

चीनी विदेश मंत्री से भी मिलेंगे जयशंकर खबरों के अनुसार, जयशंकर 13 जुलाई को बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी मिलेंगे। यह दौरा भारत-चीन के संबंधों में 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर हुए सैन्य टकराव के बाद जयशंकर की पहली चीन यात्रा होगी। गौरतलब है कि हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल भी चीन की यात्रा पर जा चुके हैं। अब जयशंकर की यात्रा को दोनों देशों के बीच सामान्य संबंध बहाल करने की दिशा में एक और कदम माना जा रहा है।

कई अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा की उम्मीद जयशंकर की चीन यात्रा के दौरान, भारत और चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद, दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ मेटल्स) के निर्यात पर चीनी रोक, और अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, इसी महीने चीनी विदेश मंत्री वांग यी भी भारत आ सकते हैं। वे एनएसए डोभाल से सीमा विवाद पर 'स्पेशल रिप्रजेंटेटिव' वार्ता के तहत बातचीत कर सकते हैं। अब तक इस वार्ता प्रक्रिया के तहत दोनों देशों के बीच 23 दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है।

26 जून दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने की थी बैठक राजनाथ सिंह और चीनी रक्षा मंत्री जनरल डोंग जून के बीच 26 जून को हुई मुलाकात में भी सीमा पर शांति बनाए रखने और विश्वास बहाली के लिए जमीनी स्तर पर कदम उठाने की बात कही गई थी। बता दें कि 2020 में गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद भारत-चीन संबंधों में भारी तनाव आया था। हालांकि अक्तूबर 2023 में रूस के कजान शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में कई संवाद प्रक्रिया फिर से शुरू करने पर सहमति बनी थी।

मोदीनगर में चारों तरफ जाम: कांवड़ यात्रा में वाहनों के डायवर्जन के बाद बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था

गाजियाबाद करंट क्राइम। कावड़ यात्रा के गाजियाबाद में जाम की समस्या खड़ी होनी शुरू हो गई। मोदीनगर, मुरादनगर से लेकर शहर तक जाम लगना शुरू हो गया। ट्रैफिक पुलिस ने भारी वाहनों का रूट डायवर्जन कर दिया है। जैसे जैसे कांवड़ियों की संख्या बढ़ेगी ऐसे ही यातायात व्यवस्था और भी चुनौती होगी। नोएडा की कांवड़ के चलते बस अड्डे पर एक दिन पहले जाम लगा रहा। मोदीनगर और मुरादनगर में भी जाम की समस्या बनी हुई है। एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद का कहना है कि कांवड़ यात्रा में 5 टीआई समेत 602 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

दिल्ली से आने वाले वाहन

दिल्ली की ओर से आने वाले भारी वाहनों लोनी बॉर्डर, तुलसी निकेतन बार्डर, सीमापुरी बॉर्डर, आनन्द विहार बॉर्डर का गाजियाबाद शहर में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा, ऐसे वाहन जिनका गंतव्य स्थल हरिद्वार, अमरोहा, मुरादाबाद, लखनऊ आदि है, वो रोड नंबर 56 चौधरी चरण सिंह मार्ग का प्रयोग कर यूपी गेट (गाजीपुर बॉर्डर) से गाजियाबाद में प्रवेश कर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या - 09 का प्रयोग करते हुए डासना इंटरसेक्शन से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे होते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे। बागपत की तरफ से आने वाले वाहन जिन्हें दिल्ली की ओर जाना है, ट्रोनिका सिटी, सोनिया विहार दिल्ली होते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे।

लोनी बॉर्डर से लोनी कस्बे की ओर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

हापुड़ बुलंदशहर की ओर से आने वाले वाहनों का डासना पुल, लाल कुआ, आत्माराम स्टील प्लान्ट तिराहा से गाजियाबाद शहर की ओर परिचालन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा, ऐसे वाहन जिनका गंतव्य स्थल दिल्ली है, ये सभी वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 09 का प्रयोग करते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे।

संतोष मेडिकल कट जल निगम टी-पॉइंट से नई लिंक रोड पर मेरठ तिराहा की ओर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

गौर ग्रीन, खोड़ा, कालापत्थर, सेक्टर 62, छिजारसी, कनावनी पुस्ता से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-09 होते हुए इन्द्रापुरम क्षेत्र में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित रहेगा।

गंगनहर पटरी कांवड़ मार्ग पाइपलाइन मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 34 (पूर्व में एनएच 58) एवं दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर भारी वाहनों का परिचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर कुडंली व पलवल की ओर से आने वाले सभी प्रकार के भारी वाहन दुहाई उतार से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 34 (पूर्व में एनएच-58) पर नहीं उतर सकेंगे।

मोदीनगर की तरफ नहीं आ सकेंगे वाहन

हापुड़ भोजपुर से आने वाले वाहनों का मोदीनगर की ओर परिचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। सौर ऊर्जा मार्ग से साहिबाबाद अंडरपास होकर साहिबाबाद स्टेशन कट जीटी रोड की ओर वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

रोटरी क्लब गाजियाबाद ग्रेटर नेस्ट ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शनिवार को रोटरी क्लब गाजियाबाद ग्रेटर नेस्ट द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस मौके पर सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि रोटरी क्लब कई वर्षों से समाज में स्वास्थ्य जागरूकता और चिकित्सा सेवाओं के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य करता आ रहा है। क्लब ने समय-समय पर विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों, निःशुल्क उपचार और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय की सेवा की है।

इस अवसर पर डा.विनित जैन, डॉ सुरेखा जैन, अशोक अग्रवाल, अध्यक्ष अरूणा अग्रवाल, वरुण गौड़ , निधि गौड़, सुरेन्द्र शर्मा, एम सी गौर, एच के जोशी, विजय वत्स, कविता वत्स, ममता गजवानी, सीमा भसीन आदि लोग मौजूद रहे।

जनता पी.जी. कॉलेज की प्रबन्ध समिति की बैठक आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जनता पी.जी. कॉलेज, पतला (जनपद गाज़ियाबाद) की प्रबन्ध समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन 10 जुलाई 2025 को कॉलेज परिसर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष अजीत योगी ने की। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सचिव राजेन्द्र सिंह चिकारा, कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर अतुल कुमार गोयल सहित अन्य वरिष्ठ सदस्यगण उपस्थित रहे।

बैठक में कॉलेज के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों के सुचारू संचालन, पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता सुधार के उद्देश्य से प्रबंध समिति का विस्तार करते हुए विभिन्न उप-समितियों का गठन किया गया। इन समितियों में अनुभवी, सक्रिय एवं समर्पित व्यक्तियों को अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया, जो अपने-अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता रखते हैं। यह निर्णय सर्वसम्मति से पारित किया गया।

नवनियुक्त समितियों एवं उनके अध्यक्षों का विवरण निम्नानुसार है:

(1) जयदीप सिंह - अध्यक्ष, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति एवं क्रीड़ा समिति। (2) एडवोकेट गौरव प्रताप सिंह -अध्यक्ष, कानूनी सलाहकार समिति। (3) योगेन्द्र सिंह पतला - अध्यक्ष, कार्यक्रम संचालन समिति। (4) सुबोध कुमार - अध्यक्ष, क्रय-विक्रय समिति। (5) हरेंद्र सिंह - अध्यक्ष, कॉलेज व्यवस्था एवं जांच समिति। (6) विवेक उज्जवल - अध्यक्ष, भवन निर्माण एवं नीलामी समिति। (5) राजेन्द्र सिंह चिकारा - अध्यक्ष, चयन समिति।

बैठक में सभी सदस्यों ने नवगठित समितियों को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि यह समितियाँ कॉलेज के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

वार्ड 99 में जगह-जगह जल भराव और नाली जाम

पार्षद और पूर्व पार्षद ने दी आंदोलन की चेतावनी

गाजियाबाद करंट क्राइम। वार्ड 99 वैभव खंड में जल भराव की स्थिति गंभीर हो गई है। स्थानीय पार्षद प्रीति जैन और पूर्व पार्षद अभिनव जैन ने शनिवार को वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर जल भराव की स्थिति का जायजा लिया। पार्षद प्रीति जैन ने बताया कि सड़कों पर पानी भरा हुआ है। नालिया जाम है। यह कोई नई समस्या नहीं है वर्षों से यही समस्या चली आ रही है। निरीक्षण के बाद पार्षद प्रीति जैन और पूर्व पार्षद अभिनव जैन ने महापौर सुनीता दयाल से मुलाकात कर समस्याओं का समाधान करने की गुजारिश की। पार्षद प्रीति जैन ने कहा कि नगर निगम की ओर से कहा गया कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से नगर निगम ने हाल ही में कॉलोनी का टेकओवर किया है ऐसे में व्यवस्था सुधारने में समय लगेगा। पूर्व पार्षद अभिनव जैन ने कहा कि यह कोई नई समस्या नहीं है। अगर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की कमी थी तो अब नगर निगम को तत्काल समस्या का समाधान करना चाहिए समस्या का स्थाई समाधान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जल भराव और नाली जाम होने की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो स्थानीय लोगों के साथ आंदोलन करने से भी परहेज नहीं करेंगे।

पार्षद राधेश्याम त्यागी ने किया सड़क का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के वार्ड 57 माकनपुर न्यायखंड 2 में सड़क का उद्घाटन किया गया। यह सड़क ग्राम मकनपुर के तालाब पर निकलती है। उसके निर्माण कार्य का आज उद्घाटन किया गया। जल्द यहां के निवासियों को इस सड़क का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर पार्षद राधेश्याम त्यागी, मदनपाल शर्मा, अमित शर्मा, किशोर ठाकुर, पीतांबर त्यागी, चंद्र देव, अंकुर त्यागी, विनय कुमार, मुकेश त्यागी, सीताराम त्यागी, सर्वेश, सागर त्यागी, ईश्वर त्यागी, पार्षद प्रतिनिधि सचिन राघव आदि लोग मौजूद रहे।

भोले के जयघोष के बीच जल लेने शिवभक्त बृजविहार से हरिद्वार के लिए रवाना

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शनिवार को बृज विहार क्षेत्र से शिव भक्तों के दो जत्थे गंगा जल लेने के लिए हरिद्वार रवाना हुए। हर-हर महादेव व बम-बम भोले के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। इससे पूर्व शिव भक्तों ने परिजनों के साथ महादेव मंदिर पर भगवान शंकर की आराधना की। शिव भक्तों को हरिद्वार ले जाने के लिए बड़ा महादेव मंदिर पर कई निजी वाहन से रवाना हुए। लेकिन इस बार कांवड़ यात्रा में शिव भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बार हरिद्वार व गोमुख जाने वाले शिव भक्तों की संख्या भी गत वर्षों की अपेक्षा काफी अधिक देखने को मिल रही है। हरिद्वार जाने वाली अधिकतर बसें शिव भक्तों से भरी हुई दिखाई दीं। वहीं कांवड़ियों की सेवा करने के लिए ब्रजविहार के विभिन्न स्थानों पर शिविर भी लगने शुरू हो गए हैं। शनिवार को दिन भर शिव भक्तों के हरिद्वार रवाना होने का सिलसिला जारी रहा। इस अवसर पर बॉबी त्यागी, सुभाष राणा, ठाकुर वीरेंद्र सिंह, बृजेश सिंह, सत्य पांडे, इंद्रपाल, अनुराग, अमन तंवर, अमन माथुर, शिव राणा धीरज भारद्वाज विनोद गुप्ता पिंटू कश्यप आदि लोग मौजूद रहे।

6 महीने से टंकी में लीकेज है लेकिन देखने वाला कोई नहीं

गाजियाबाद करंट क्राइम। ज्ञान खंड 4 इंदिरापुरम स्थित ज्ञान पार्क की टंकी पिछले 6 महीने से लीकेज हो रही है। कनफेडरेशन का इंदिरापुरम आरडब्लूए की ओर से नगर आयुक्त और नगर विकास मंत्री को विभिन्न माध्यमों से इसकी जानकारी दी गई। लेकिन अभी तक टंकी की मरम्मत नहीं की गई। फेडरेशन के कोऑर्डिनेटर कुलदीप सक्सेना ने बताया कि पिछले 6 महीने से लगातार टंकी से पानी बह रहा है।

इस बारे में विभिन्न विभागों को पत्र लेकर सूचित किया गया है। लेकिन टंकी की जांच कर लीकेज को ठीक करने की जहमत नहीं उठाई गई। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने जब से इंदिरापुरम का टेकओवर किया है ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई जिससे लोगों की समस्याओं का समाधान हो सके।

पिछले दिनों बरसात के दौरान इंदिरापुरम के कई इलाकों में जल भराव की समस्या देखी गई। रेजिडेंस को उम्मीद जगी थी की नगर निगम की ओर से कॉलोनी को टेकओवर करने के बाद बुनियादी समस्याओं की ओर ध्यान दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि पार्क की हालत जस की तस बनी हुई है। ज्यादातर पार्कों की देखभाल की व्यवस्था नहीं है मालियों की संख्या प्राप्त नहीं है जिस कारण पार्क बदहाल होते जा रहे हैं।

वार्ड 99 की पार्षद प्रीति जैन ने किया पौधरोपण

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के वार्ड 99 वैभव खंड में पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधरोपण अभियान संपन्न। कई सालों से वार्ड 99 इंदिरापुरम में पौधरोपण किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में इस वर्ष भी पार्षद प्रीति जैन द्वारा पौधरोपण किया जा रहा है। वार्ड 99 अंतर्गत वैभव खंड, इंदिरापुरम क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत लोटस पॉन्ड सोसाइटी में अशोक पाठक कृष्णा विस्ता में हरिदास, एटीएस सोसाइटी में भी पौधे वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त एक स्थानीय एनजीओ द्वारा भी वार्ड में भी पौधरोपण किया गया। पूर्व पार्षद अभिनय जैन ने बताया कि पौधरोपण अभियान के दौरान जामुन, अमरूद, हरसिंगार (पारिजात), चांदनी, गुड़हल जैसे फलदार, औषधीय और सजावटी पौधों का रोपण किया गया। ये पौधे न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि क्षेत्र की सुंदरता एवं जैव विविधता को भी समृद्ध करते हैं। अभियान वार्ड 99 की पार्षद प्रीति जैन एवं पूर्व पार्षद अभिनव जैन के नेतृत्व में किया जा रहा है। जिसमें स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों व युवाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कभी-कभी एक तस्वीर और कम शब्दों में एक बड़ा संदेश दिया जाता है। गुरु पूर्णिमा के पर्व पर भाजपा के राम और लक्ष्मण की जोड़ी एक साथ और साथ में कुंजन पंडित । चाय पर चर्चा और गुरु की महिमा को बताता यह मंत्र। लेखराज माहौर ने अजय शर्मा के साथ वाली यह पोस्ट सोशल मीडिया पर यह साझा की और संदेश सब की समझ में आ गया। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

मानवता फाउंडेशन ने किया स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज में किया गया आयोजित

गाजियाबाद करंट क्राइम। मानवता फाउंडेशन ने शनिवार को नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज, सिहानी, गाजियाबाद में एक सैनिटरी पैड वितरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 6वीं से 12वीं तक की छात्राओं को मासिक धर्म से संबंधित स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं आत्मविश्वास के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 1000 छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए।

इस अवसर पर मानवता फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल झा, उपाध्यक्ष राजीव झा, एवं निधि विश्वकर्मा ने छात्राओं को स्वास्थ्य जागरूकता, संक्रमण से बचाव, एवं आत्म-सुरक्षा के विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि मानवता फाउंडेशन भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्किल डेवेलपमेंट से जुड़ी पहलों में स्कूल और छात्राओं को सहयोग करता रहेगा।

यह आयोजन मानवता फाउंडेशन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो समाज के वंचित वर्गों विशेषकर किशोरी बालिकाओं के समग्र विकास हेतु लगातार कार्य कर रहा है। इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इस कार्यक्रम में अनिल झा, राजीव झा, निधि विश्वकर्मा, अर्चना झा, नीतीश सिंह, स्कूल की प्रधानाचार्य सत्यवीर कौर, सभी अध्यापक गण व छात्राएं उपस्थित रही।

शालीमार गार्डन में छज्जा गिरने से बड़ा हादसा होते-होते बचा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन 2 बी ब्लॉक बी 153 में फ्लैट का छज्जा गिरने से बड़ा हादसा होते-होते बच गया। गनीमत रही कि उस समय नीचे कोई नहीं था, नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी।

जानकारी के अनुसार एक छज्जा थार गाड़ी पर गिर गया। इस घटना में, छज्जे के नीचे दबने से थार गाड़ी को नुकसान पहुंचा है। अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन गाड़ी को काफी नुकसान हुआ है। इस घटना से यह साफ होता है कि निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव की जांच करना बहुत जरूरी है। उम्मीद है कि इस घटना की जांच की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

लोग इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं, कुछ लोग छज्जा गिरने के कारणों पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि कुछ लोग थार गाड़ी के मालिक के प्रति सहानुभूति व्यक्त कर रहे हैं।